धनबाद, गुरूवार
28 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 237
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

कच्छ से 1180 करोड़ की कोकीन जब्त

कच्छ (एजेंसी) :गुजरात में कच्छ से करीब 1180 करोड़ रुपए कीमत की 118 किलो कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। अरेस्ट किए गए तीनों ही आरोपी विदेशी हैं। गुजरात डीजीपी डॉ. केएलएन राव ने बताया कि सूचना मिलने के बाद इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस मुंद्रा पोर्ट पर एक संयुक्त ऑपरेशन चला रही थीं। इसी के तहत मंगलवार की सुबह भारतीय समुद्री सीमा से एक कंटेनर जहाज पकड़ा गया।

जहाज ब्राजील, कई लैटिन अमेरिकी देशों, मेक्सिको, अमेरिका और कराची होते हुए गुजरात के तट तक पहुंचा था। जहाज में ना-इजीरिया की नागरिकता वाले दो आरोपी सवार थे, जिनमें से एक समुद्र में कूदकर फरार हो गया। पकड़े गए एक आरोपी ने बताया कि खेप दिल्ली के द्वारका में रहने वाले दो लोगों तक पहुंचाई जाने वाली थी। इनकी पहचान क्लैविन चुकवुमा (तंजानिया का नागरिक) और ब्यारुहांगा जेम्स (युगांडा का नागरिक) के रूप में हुई है।

नेहरुजी ने प्रगतिशील भारत निर्माण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया

नई दिल्ली,(एजेंसी) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के पहले पीएम और उनके पर-दादा पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दीं। राहुल गांधी ने एक्स पर पंडित नेहरू को याद करते हुए लिखा- देश के प्रथम प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

राहुल गांधी ने कहा कि नेहरुजी ने आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखते हुए एक समावेशी, सौहार्दपूर्ण और प्रगतिशील भारत निर्माण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। इसके साथ राहुल गांधी ने शांति वन पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर कई तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह मौन श्रद्धांजलि देते नजर आए। उनके साथ कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी थे।

राहुल गांधी ने अपने संदेश में पंडित नेहरू के उस विजन को भी रेखांकित किया, जिसमें स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और वैज्ञानिक सोच को भारत की आत्मा बताया गया था।

मुख्यमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी से मिले थलापति विजय

नई दिल्ली, (एजेंसी) : सी जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच तमिलनाडु से जुड़े विकास कार्यों, लंबित परियोजनाओं और केंद्र-राज्य समन्वय जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

दिल्ली पहुंचने के बाद विजय सबसे पहले केंद्रीय दिल्ली स्थित तमिलनाडु हाउस पहुंचे। इसके बाद शाम करीब 4:30 बजे उनकी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हुई। दोनों नेताओं के बीच करीब 25 मिनट तक बैठक चली। हालांकि बातचीत का पूरा ब्यौरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री विजय ने राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे प्रधानमंत्री के सामने रखे।फिल्मी दुनिया के सुपरस्टार से राजनीति के प्रमुख चेहरे बने विजय की यह मुलाकात राजनीतिक दृष्टि से भी अहम मानी जा रही है। दो वर्ष पहले अपनी पार्टी टीवीके के जरिए राजनीति में प्रवेश करने वाले विजय ने हालिया तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था। हालांकि पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के कारण राज्य में गठबंधन सरकार बनी, लेकिन विजय मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी थीं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा

रांची(एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को पंचायती राज विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पंचायती राज विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग के तहत संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों की आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, पंचायत स्तरीय सेवाओं और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पंचायती राज एवं ग्रामीण कार्य विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी उपस्थित रहीं।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पंचायतों के माध्यम से बाल विवाह और महिला हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए।मुख्यमंत्री ने पंचायत भवनों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार करने तथा सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण के लिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण और उसके उचित निस्तारण पर भी विशेष बल दिया।

इसके साथ ही उन्होंने पंचायत सचिवालय प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने तथा पंचायत भवनों में शुद्ध पेयजल, शौचालय, स्वच्छता और विद्युत जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत सचिवालयों से नागरिकों को मिलने वाली सेवाएं समयबद्ध और बिना किसी परेशानी के उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने डिजिटल सेवाओं के विस्तार और योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि ग्रामीण नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

उन्होंने ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा पंचायत स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाकर विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क संपर्क से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने झारखंड मंत्रालय से ऑनलाइन माध्यम से बरहेट के पंचायत सचिवालय में चल रहे कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने वहां उपस्थित महिला लाभुक से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव मनोज कुमार, निदेशक पंचायती राज राजेश्वरी बी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने राज्यपाल से की मुलाकात, उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार और शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने बुधवार को रांची स्थित लोकभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में लंबे समय से खाली पड़े शिक्षकों के पदों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए जल्द नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। जमशेदपुर पहुंचने पर डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने मीडिया को इस मुलाकात और चर्चा की जानकारी दी।

डॉ. गोस्वामी ने मुलाकात के दौरान राज्यपाल को अवगत कराया कि प्रदेश के कई विश्वविद्यालय और महाविद्यालय शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। नियमित शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और शैक्षणिक गतिविधियों की गुणवत्ता लगातार कमजोर पड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से विद्यार्थियों को अपेक्षित शैक्षणिक माहौल नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए, ताकि छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षण व्यवस्था और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

भाजपा नेता ने राज्यपाल से आग्रह किया कि इस संबंध में राज्य सरकार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं तथा नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि लंबे समय से लंबित पदों पर बहाली हो सके और शिक्षा व्यवस्था में सुधार आ सके। राज्यपाल ने डॉ. गोस्वामी की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक पहल पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला: राशन व्यवस्था होगी हाईटेक

नई दिल्ली,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को लेकर बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने ह्यसार्थक-पीडीएसह्व योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत देश के करीब 80 करोड़ राशन लाभार्थियों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना पर लगभग 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि सरकार राशन वितरण प्रणाली को अधिक मजबूत, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत तीन बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनसे राज्यों, राशन डीलरों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

राज्यों को आर्थिक सहायता

कैबिनेट का पहला बड़ा फैसला राज्यों को आर्थिक सहायता देने से जुड़ा है। मंत्री ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बड़े गोदामों से अनाज को जिलों, ब्लॉकों और अंततः राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब केंद्र सरकार इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय मदद उपलब्ध कराएगी, जिससे राशन आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुचारु हो सकेगी।

राशन डीलरों का बढ़ेगा कमीशन

कैबिनेट का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय राशन डीलरों के कमीशन को बढ़ाने का है। लंबे समय से राशन दुकानदार अपने कमीशन में वृद्धि की मांग कर रहे थे। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे देशभर के लाखों राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

लाभार्थियों का पंजीकरण

कैबिनेट का तीसरा और सबसे अहम फैसला जो राशन व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का है। सरकार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों की मदद से लाभार्थियों का पंजीकरण करेगी। इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सही व्यक्ति तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि डिजिटल और तकनीक आधारित व्यवस्था से पूरे पीडीएस नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

भीषण गर्मी पर हुई चर्चा

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के दौरान देश में जारी भीषण लू की स्थिति पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों और विभागों को ह्लपूरे राष्ट्र की भावनाह्व के साथ काम करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य, जल संसाधन और अन्य विभागों द्वारा नागरिकों को राहत और सुरक्षा प्रदान करने के उपायों पर विशेष चर्चा की गई।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से हीरे के आभूषण और सोना गायब

सुरक्षा पर उठे बड़े सवाल, मचा हड़कंप

तिरुवनंतपुरम,(एजेंसी) : दुनिया के सबसे रहस्यमयी और अमीर मंदिरों में शुमार केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सदियों पुराने खजाने और अपनी अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए मशहूर इस ऐतिहासिक मंदिर से वैर नाम नामक एक अत्यंत कीमती व दुर्लभ हीरे का आभूषण पिछले छह महीनों से गायब है। इसके साथ ही, भक्तों द्वारा श्रद्धा से दान किए गए करीब 78 ग्राम सोने का भी कोई आधिकारिक हिसाब-किताब नहीं मिल रहा है। यह गंभीर मामला तब और ज्यादा गर्मा गया जब पुलिस महानिदेशक की हालिया रिपोर्ट में इन बड़ी प्रशासनिक गड़बड़ियों और सुरक्षा चूकों का स्पष्ट रूप से जिक्र किया गया।

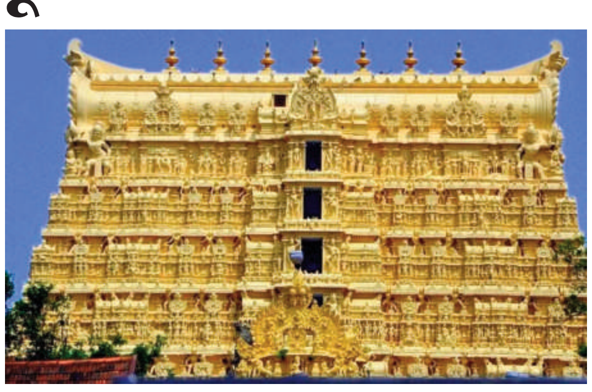

इस खुलासे के बाद अब मंदिर की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक निगरानी और इसके अरबों के खजाने की देखरेख पर बेहद गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पद्मनाभस्वामी मंदिर सिर्फ एक धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं है, बल्कि इसे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक संपदा का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है। इसके बंद और रहस्यमयी तहखानों में अरबों-खरबों रुपये की अकूत संपत्ति होने के दावे हमेशा वैश्विक सुर्खियों में रहे हैं। ऐसे संवेदनशील स्थान के गर्भगृह से जुड़े कीमती आभूषणों और भक्तों के चढ़ावे की गुमशुदगी ने सबको हैरत में डाल दिया है।

जानकारी के मुताबिक, वैर नाम नामक इस हीरे के आभूषण को कुछ समय पहले मरम्मत के लिए भेजा गया था, लेकिन वह वापस आकर मंदिर के रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं हुआ। ठीक इसी तरह, मंदिर का एक पारंपरिक सोने का दीपक भी मरम्मत के नाम पर बाहर भेजा गया था, जो छह महीने बीत जाने के बाद भी अब तक वापस नहीं लौटा है। पुलिस प्रशासन ने इसे एक बेहद गंभीर सुरक्षा चूक माना है और डीजीपी ने राज्य सरकार को सख्त कदम उठाते हुए सभी कीमती वस्तुओं को तुरंत हाई-सिक्योरिटी स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट करने की हिदायत दी है।

मंदिर प्रशासन के मौजूदा आधिकारिक रिकॉर्ड में कई अन्य कीमती वस्तुओं का हिसाब-किताब भी मेल नहीं खा रहा है। चूंकि इस मंदिर के तहखानों और खजाने की सुरक्षा के लिए बेहद कड़े प्रोटोकॉल लागू हैं, इसलिए रिकॉर्ड और वास्तविक संपत्ति में इतना बड़ा अंतर पाया जाना किसी गहरी प्रशासनिक लापरवाही या फिर किसी आंतरिक मिलीभगत के बड़े नेटवर्क की आशंका को जन्म देता है। डीजीपी की रिपोर्ट में पुरजोर सिफारिश की गई है कि मंदिर के निलावरा यानी मुख्य भंडारगृह के बाहर रखे गए सोने-चांदी के सभी सामानों को बिना किसी देरी के सुरक्षित स्ट्रॉन्ग रूम में स्थानांतरित किया जाए। साथ ही, भविष्य में दान में मिलने वाली तमाम वस्तुओं की डिजिटल रिकॉर्डिंग और मुस्तैद पुलिस निगरानी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

अफसर की नियुक्ति ही नहीं की गई इस पूरे घटनाक्रम ने मंदिर की वर्तमान कार्यप्रणाली को पूरी तरह से कटघरे में खड़ा कर दिया है। वर्तमान में इस विशाल मंदिर का संचालन एक पांच सदस्यीय प्रशासनिक समिति करती है, जिसमें एक सम्मानित जज, त्रावणकोर शाही परिवार का प्रतिनिधि, राज्य सरकार, केंद्र सरकार और मुख्य तंत्री (पुजारी) शामिल होते हैं। रिपोर्ट में एक और बड़ी प्रशासनिक खामी यह उजागर हुई है कि बीते मार्च महीने के बाद से मंदिर में किसी पूर्णकालिक एग्जीक्यूटिव ऑफिसर की नियुक्ति ही नहीं की गई है।

झारखंड कैबिनेट : सरकार राज्य के सभी 24 जिलों में खोलेगी अबुआ दवाखाना

रांची, (एजेंसी) : झारखंड सरकार राज्य के सभी 24 जिलों में अबुआ दवाखाना खोलेगी। अबुआ दवाखाना में बहु चिकित्साअ प्रणाली के तहत एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योसपैथी, यूनानी और सिद्धा विधि से इलाज किया जाएगा। यह निर्णय बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। उन्होंबने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न स्वातस्थ्युं उपकेंद्रों, आयुष्मायन आरोग्यन मंदिर और स्वास्थ्य विभाग के अन्य भवनों में बहु चिकित्सा प्रणाली पर आधारित एकीकृत औषधि केंद्र अबुआ दवाखाना की स्था पना की जाएगी। इस योजना का उददेश्य ग्रामीण जनता को एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा प्रणाली की जरूरी दवाईयां एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके। इस योजना के तहत राज्य सरकार समय-समय पर अद्यतन और निर्धारित झारखंड आवश्याक औषधि सूची के अंतर्गत आनेवाली एलोपैथी दवाईयां और अद्यतन राष्ट्रीय आयुष आवश्यक औषधि सूची के अंतर्गत आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा चिकित्सा पद्धति की दवाईयां सभी लाभार्थियों को निःशुल्को कराएगी।शुरूआती चरण में राज्य के सभी 24 जिलों के 745 आयुष्मन आरोग्या मंदिर (आयुष) पर एकीकृत औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

संरचनात्मक और संचालन प्रणाली होगी तैयारअबुआ दवाखाना को एकीकृत औषधि केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए एक संरचनात्मक और संचालन प्रणाली तैयार की जाएगी।कैबिनेट की बैठक में कुल 39 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।कैबिनेट के अन्य फैसले

कैबिनेट ने कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग के प्रस्ताव पर झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमिताभ कुमार गुप्ता को झारखंड के लोकायुक्त पद पर नियुक्त किए जाने के बाद पद स्वीकृति दी।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजना को स्वीकृति दी गई।

राज्य में वर्ष 2030-31 तक तीन चरणों में 35 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 1.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती के प्रमाणीकरण का लक्ष्य तय किया गया है। इस योजना पर कुल 370 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी दी गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस योजना के तहत 42 करोड़ 87 लाख रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी गई।

कैबिनेट ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थों से जुड़ी सूचनाएं देने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए नई पुरस्कार नीति को भी मंजूरी दी। इस नीति के तहत नशे के कारोबार की जानकारी देने वाले लोगों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

इसके अलावा दुमका हवाई अड्डे से नियमित उड़ान सेवा शुरू करने की दिशा में भी अहम फैसला लिया गया। मौसम संबंधी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए भारत सरकार के मौसम विभाग के साथ एमओयू करने पर सहमति बनी है। कैबिनेट में गंभीर रूप से बीमार दिव्यांग कलाकारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव ने बताया कि इस फैसले से राज्यि के जरूरतमंद कलाकारों को राहत मिलेगी और उन्हें सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत डेवलपमेंट, मेंटनेंस, होस्टिंग सहित अन्यन कार्यों के लिए वित्त नियमावली के नियम को शिथिल करते हुए मनोनयन के आधार पर भारत सरकार के उपक्रम मेसर्स सीएससी ई-गर्वनेंस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड के चयन की स्वीकृति दी गई।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी) :तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया।

बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है।

ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं।

संक्षिप्त खबरें

तेज आंधी और मूसलाधार बारिश से सारंडा क्षेत्र में भारी तबाही

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : बुधवार की शाम करीब साढ़े तीन बजे आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने किरीबुरू, मेघाहातुबुरु, गुवा,बड़ाजामदा समेत सारंडा क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी। अचानक बदले मौसम और तेज तूफानी हवाओं से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई स्थानों पर सैकड़ों पेड़ उखड़कर गिर पड़े, जबकि अनेक घरों और दुकानों की टीन की छतें हवा में उड़ गईं। तेज आंधी के कारण किरीबुरू और मेघाहातुबुरु की मुख्य सड़कों पर जगह-जगह पेड़ और डालियां गिर गईं। सीजीएम आवास, डीएसपी ऑफिस, मीना बाजार, मेघा निकुंज पार्क, न्यू कॉलोनी, शॉपिंग सेंटर रोड और सीआईएसएफ मैदान के सामने सड़क पर बड़े पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हो गया। कई लोग घंटों तक रास्ते में फंसे रहे। आंधी इतनी तेज थी कि कई मकानों और दुकानों की टीन शीट उड़ गई। ठेकेदार बीरेन्द्र मिश्रा के तीन कमरों की छत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं मेन मार्केट के कई दुकानदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कई गुमटियां पलट गईं और दुकानों में रखा सामान बारिश में भींगकर खराब हो गया। तूफान के दौरान बिजली तारों पर पेड़ गिरने से किरीबुरू और मेघाहातुबुरु की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। कई इलाकों में शाम से अंधेरा पसरा रहा। बिजली विभाग की टीमें लगातार बिजली बहाल करने में जुटी हुई हैं। चर्च हाटिंग क्षेत्र में मोबाइल टावर गिरने की भी सूचना है, जिससे कई इलाकों में मोबाइल नेटवर्क बाधित हो गया। जिन घरों की छतें उड़ गईं, वहां बारिश का पानी घुसने से लोगों का अनाज, कपड़ा और अन्य सामान खराब हो गया। प्रशासन हालात सामान्य करने में जुटा है, लेकिन नुकसान काफी व्यापक बताया जा रहा है।

जिला स्वास्थ्य समिति के नवनियुक्त संविदा कर्मियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से नवनियुक्त संविदा स्वास्थ्य कर्मियों के लिए आयोजित सात दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार से हो गया।इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का विधिवत उदघाटन मुख्य अतिथि सह सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ. केनेडी ने दीप प्रज्वलित कर किया।प्रशिक्षण के पहले दिन नवागत स्वास्थ्य कर्मियों को विभाग की कार्यप्रणाली और आधारभूत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ. केनेडी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़ने के साथ ही कर्मियों पर समाज के प्रति जिम्मेदारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सात दिनों के इस सत्र में दी जाने वाली तकनीकी और व्यावहारिक जानकारियां भविष्य में इन कर्मियों के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद सभी कर्मियों को अपने-अपने आवंटित कार्यक्षेत्र में जाकर यहां सीखी गई बातों को पूरी तरह धरातल पर लागू करना होगा, कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अनुशासन, समर्पण और संवेदनशीलता सबसे जरूरी तत्व हैं।मरीज बेहद उम्मीद और भरोसा लेकर सरकारी अस्पतालों में आते हैं, इसलिए उनकी सेवा पूरी निष्ठा और ईमानदारी से होनी चाहिए।इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) गौरव कुमार ने नवनियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल एक नौकरी मात्र नहीं है, बल्कि यह समाज सेवा का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण माध्यम है।अस्पताल आने वाले हर मरीज के प्रति संवेदनशीलता रखना और पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करना प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी का प्राथमिक दायित्व है।शिविर के दौरान बताया गया कि अगले सात दिनों तक विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा नवनियुक्त कर्मियों को गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।इसके तहत मुख्य रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य नियमित टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, संक्रामक रोग नियंत्रण, आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं, अस्पताल प्रबंधन, विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के सुचारू संचालन तथा सबसे महत्वपूर्ण–मरीजों व उनके परिजनों से बेहतर व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने जैसे विषयों की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया माहुरी वैश्य महामंडल का 113 वां स्थापना दिवस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : माहुरी नवयुवक समिति गांडेय एवं महिला समिति के तत्वावधान में माहुरी वैश्य महामंडल का 113वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास मनाया गया।इस अवसर पर समाज के लोगों ने पर्यावरण संरक्षण से लेकर शिक्षा को बढ़ावा देने तक का संकल्प लिया।कार्यक्रम की शुरूआत सुबह वृक्षारोपण एवं शाम को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि और समाज के गणमान्य लोगों द्वारा कुलदेवी मां मथुरासिनी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।इसके पश्चात महामंडल के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। समाज को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से इस वर्ष 10वीं और 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।मौके पर मौजूद माहुरी नवयुवक समिति के अध्यक्ष विकास गुप्ता ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा समाज एक बरगद के वटवृक्ष की तरह है, जो पूरे समाज को एकता के एक सूत्र में पिरोए हुए हैं।हमें मिलकर इसे और मजबूत बनाना है।मौके पर केंद्रीय नवयुवक समिति के कोषाध्यक्ष नितेश गुप्ता, केंद्रीय महिला समिति की संगठन मंत्री मनिता कूटरियार,माहुरी नवयुवक समिति गांडेय के अध्यक्ष विकास गुप्ता, उपाध्यक्ष रुद्रा संकेत कुमार, शिव कृष्णा राम, सचिव धीरज कुमार, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार,माहुरी वैश्य महिला समिति की अध्यक्ष अंजना कूटरियार, सचिव जूही कूटरियार,माहुरी वैश्य मंडल के अध्यक्ष रतन अठघरा, सचिव नरेंद्र कूटरियार, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश राम, संजय राम अठघरा, शिक्षक सुधीर गुप्ता, संदीप कुमार गुप्ता, राजकुमार राम, शंकर राम कूटरियार, विवेक गुप्ता सहित समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष व युवा उपस्थित थे।

गंदगी व मांस-मछली के अवशेष फेंकने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई, सामूहिक रूप से लिया गया नदी को बचाने का संकल्प

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार के नियमित साप्ताहिक संवाद कार्यक्रम "कॉफी विद एसडीएम" के तहत बुधवार को अनुमंडल कार्यालय सभागार में सरस्वतिया नदी संरक्षण को लेकर एक विशेष परिचर्चा आयोजित की गई।इस अनूठे संवाद कार्यक्रम में शहर के दो दर्जन से अधिक प्रबुद्ध नागरिकों, वरिष्ठ साहित्यकारों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, पर्यावरण प्रेमियों और जागरूक युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सरस्वतिया नदी की वर्तमान गंभीर स्थिति, स्वच्छता, अतिक्रमण मुक्ति और जनसहभागिता के जरिए दीर्घकालिक संरक्षण की रूपरेखा पर विस्तार से मंथन किया गया।परिचर्चा की शुरूआत करते हुए पर्यावरण परिवार के अध्यक्ष व वरिष्ठ साहित्यकार विनोद पाठक ने कहा कि "आपन सरस्वतिया अभियान" को निरंतर जारी रखना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि पूरी नदी को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर प्रत्येक वार्ड या क्षेत्र की जिम्मेदारी अलग-अलग टोलियों को सौंप दी जाए।उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि अभी नदी बचाने का सही अवसर है, बाद में चेतने से कुछ हाथ नहीं आएगा। उन्होंने नदी स्वच्छता में बेहतर कार्य करने वालों को प्रशासनिक स्तर पर सम्मानित करने की भी बात कही।स्टूडेंट क्लब छठ पूजा समिति के विनोद जायसवाल ने नदी के पुराने स्वरूप को याद करते हुए कहा कि पहले इस नदी में कोयल नदी जैसी साफ बालू हुआ करती थी, लेकिन अब इसमें सिर्फ कीचड़ और गाद भर गया है। उन्होंने नदी किनारे छोटे-छोटे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित करने की वकालत की और हर रविवार को सामाजिक संस्थाओं द्वारा सामूहिक श्रमदान चलाने का सुझाव दिया।वहीं नीरज श्रीधर स्वर्गीय ने कहा कि इस अभियान में शहरी क्षेत्र में वार्ड पार्षदों और ग्रामीण क्षेत्रों में मुखियाओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए।धीरेंद्र द्विवेदी ने नदी भूमि के सीमांकन हेतु

तटों पर कंक्रीट के पिलर गाड़ने का सुझाव दिया ताकि लोग अतिक्रमण न कर सकें। अधिवक्ता राजीव रंजन तिवारी ने नदी के दोनों किनारों पर सघन वृक्षारोपण कराने और नगर परिषद की कचरा उठाव व्यवस्था को दुरुस्त करने पर जोर दिया।नगर परिषद वार्ड संख्या 7 के पार्षद विनोद प्रसाद ने जिम्मेदारी लेते हुए घोषणा की कि वे शमीम टेलर से लेकर जोड़ा पुल तक नदी क्षेत्र की स्वयं निगरानी करेंगे और स्वच्छता सुनिश्चित कराएंगे।समाजसेवी दयाशंकर गुप्ता ने नदी में मांस-मछली के अवशेष फेंकने वालों को चिन्हित कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। युवा समाजसेवी चंदन जायसवाल ने प्लास्टिक प्रदूषण पर कड़ा नियंत्रण लगाने और सुखवाना स्थित कचरा निस्तारण प्लांट को जल्द चालू करने की बात कही। साथ ही, उन्होंने तिलैया नदी में भी ऐसा अभियान चलाने का अनुरोध करते हुए बुधवार की सफाई में प्रयुक्त डीजल का पूरा खर्च स्वयं वहन करने की घोषणा की, जिसका उपस्थित लोगों ने आभार जताया।संवाद के दौरान नवोदित कवयित्री संध्या सुमन ने अपनी मर्मस्पर्शी कविता के माध्यम से सरस्वतिया नदी की वर्तमान पीड़ा और दुर्दशा को पटल पर रखा, जिसने सबको भावुक कर दिया।इसके अलावा जगतारण तिवारी ने अतिक्रमण हटाने, प्रदीप पासवान ने जनजागरूकता फैलाने, धर्मनाथ झा ने सोलिंग कराने तथा नितिन तिवारी ने मेराल क्षेत्र में भी त्वरित अभियान चलाने का अनुरोध किया।गढ़वा के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. टी. पीयूष ने एक बेहद व्यावहारिक और अनूठा सुझाव देते हुए कहा, चोर को चौकीदार बनाइए।अर्थात, जो लोग या दुकानदार मोहल्ले में सबसे अधिक गंदगी फैलाते हैं, उन्हीं व्यक्तियों को उस हिस्से में नदी स्वच्छता की जिम्मेदारी सौंप दी जाए। उन्होंने कहा कि एसडीएम केवल एक प्रेरक की भूमिका निभा सकते हैं, वास्तविक कार्य समाज को ही सामूहिक रूप से करना होगा।उन्होंने प्रभात फेरी निकालने और नदी किनारे सुरक्षा जालियां लगाने की बात कही।मौके पर एसडीएम श्री कुमार ने कहा कि सरस्वतिया नदी गढ़वा शहर की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर है। इसे बचाना सिर्फ प्रशासन का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है।आज मिले सभी बहुमूल्य सुझावों पर अमल किया जाएगा।जब तक सरस्वतिया नदी पूरी तरह पुनर्जीवित नहीं हो जाती, तब तक यह अभियान रुकने वाला नहीं है।

डायन-बिसाही में नरसंहार करने वाले सात दोषियों को उम्रकैद की सजा,पांच साल के मासूम समेत परिवार के पांच लोगों को टांगी से काट डाला गया था

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : जिले में दहला देने वाले बहुचर्चित कामडारा बुरुहातु नरसंहार मामले में जिला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-5 की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए सात दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनायी है।डायन बिसाही में घटी इस इस खौफनाक नरसंहार की घटना ने राज्य ही नहीं बल्कि देश को झकझोर कर रख दिया था। अंधविश्वास में आकर आरोपियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को घर में घुसकर टांगी से काट डाला था। मृतकों में पांच साल का मासूम बच्चा भी शामिल था।अदालत ने आरोपी अमृत टोपनो, डेनियल टोपनो, सावन टोपनो, फिरंगी टोपनो, सलीम टोपनो, सोमा टोपनो और फिलिप टोपनो को दोषी करार देते हुए आइपीसी की धारा 302/149 सहपठित 120-बी तथा धारा 460/149 सहपठित 120-बी के तहत आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनायी है।इसके अलावा अन्य धाराओं में भी अलग-अलग कारावास और जुमार्ने की सजा दी गयी। अदालत ने आदेश दिया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।यह

सनसनीखेज वारदात 23 फरवरी 2021 की रात कामडारा थाना क्षेत्र के बुरुहातु आमटोली गांव में हुई थी। घटना से पहले उसी दिन गांव के फुटबॉल मैदान में सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचायत बुलायी गयी थी। पंचायत में गांव के कुछ लोगों की बीमारी और मौत के लिए 55 वर्षीय जोसफीना डहंगा और उनके पति निकोदीन टोपनो को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर जादू-टोना करने का आरोप लगाया गया था। बताया जाता है कि पंचायत खत्म होने के बाद रात होते ही गांव में साजिश ने खूनी रूप ले लिया। देर रात अज्ञात हमलावरों ने परिवार के घर पर धावा बोल दिया। इसके बाद जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया था।हमलावरों ने जोसफीना डहंगा, उनके पति निकोदीन टोपनो, 32 वर्षीय भीमसेंट टोपनो, उसकी पत्नी सिलवंती टोपनो और पांच वर्षीय मासूम अलबिन टोपनो पर टांगी से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी।सभी के सिर, गर्दन और चेहरे पर इतने वार किये गये थे कि शवों की हालत देखकर पुलिसकर्मी तक सिहर उठे थे।सबसे दर्दनाक बात यह थी कि आरोपियों ने परिवार के एक भी सदस्य को जीवित नहीं छोड़ा था। पूरा घर लाशों में तब्दील हो गया था। गांव में चारों ओर चीख-पुकार और खौफ का माहौल था।घटना की भयावहता ने पूरे पुलिस महकमे को हिला दिया था।तत्कालीन पुअनि बालमुकुंद सिंह के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और धीरे-धीरे इस सामूहिक हत्या की परतें खुलती चली गयी।जांच में सामने आया कि अंधविश्वास और डायन-बिसाही के आरोप में इस सामूहिक हत्या की साजिश रची गयी थी।यह मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गया था। सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने भी इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया था।बुधवार को जब अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुमला जेल में बंद आरोपियों की पेशी के बाद सजा सुनायी तो गांव और जिले के लोगों के जेहन में वह खौफनाक रात फिर से ताजा हो गयी।लोगों का कहना है कि अदालत का फैसला भले ही देर से आया।लेकिन इससे यह संदेश जरूर गया है कि अंधविश्वास के नाम पर हत्या करने वालों को कानून कभी माफ नहीं करेगा।हालांकि, इस फैसले का इंतजार करने के लिए उस परिवार का एक भी सदस्य आज जीवित नहीं बचा।

कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने पर जोर, रजिस्ट्रार जनरल से मिले

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर प्रयास तेज किये गये हैं। आदिवासी कुड़मी समाज का प्रतिनिधिमंडल ने जनगणना विभाग के भाषा प्रभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।संगठन के अमित महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल रजिस्ट्रार जनरल से भी मिला।बैठक में झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम के प्रतिनिधि शामिल हुए। दो घंटे से अधिक चली इस अतिमहत्वपूर्ण बैठक में आगामी जनगणना 2026-27 में कुड़मि-कुड़मालि समुदाय के भाषाई चिह्नीकरण और वर्गीकरण को लेकर विस्तार से जानकारी दी गयी।बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने यह जानकारी मांगी कि केंद्र सरकार आगामी जनगणना में कुड़मि जनजाति और उनकी मातृभाषा कुड़माली को किस नाम या श्रेणी में दर्ज कर रही है। जनगणना कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार, पहले की तरह आगामी 2026-27 की जनगणना में भी कुड़मालि भाषा को कुरमालि थार नाम से मातृभाषा के रूप में चिह्नित व वगीर्कृत किया गया है।बैठक में यह बात सामने आयी कि 2011 और उससे पहले की जनगणनाओं में सही जानकारी न होने के कारण, समाज के लोगों ने भाषा/जाति के कॉलम में कुड़माली या कुरमी-कुड़मी भर दिया था।उचित कोड न होने या तकनीकी गड़बड़ी के कारण यह डेटा डिफॉल्ट के रूप से अन्य भाषा समूहों में चला गया। जिससे देश भर में कुड़मालि भाषियों की संख्या वास्तविक जनसंख्या के अनुपात में नगण्य दर्ज हुई। प्रतिनिधिमंडल की ओर से मांग पत्र सौंपकर आग्रह किया है कि यदि इस चरण में तकनीकी बदलाव संभव न हो, तो कम से कम कुड़माली थार साथ ब्रैकेट में कुड़माली भी जोड़ दिया जाए, ताकि कोई भ्रम न रहे।प्रतिनिधिमंडल की ओर से कहा गया है कि अगर वादाखिलाफी हुआ, तो युवा आंदोलन करेंगे।समाज अपने मांगों को लेकर सचेत और गंभीर है।अगर केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार कुड़मालि भाषा को 8वीं अनुसूची में जल्द ही शामिल करने कि प्रक्रिया को अगर शुरू नहीं करती हैं तो समाज को झारखंड, ओडिशा, बंगाल और आसाम में गोलबंद करेंगें और एक बड़ा आंदोलन करेगा।बैठक में पंकज महतो, मुकेश महतो और दीपक महतो शामिल थे।

बकरीद पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए कदमा में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार की शाम को कदमा थाना क्षेत्र में पुलिस अधिकारी और जवानों द्वारा संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया।इस मार्च का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच सुरक्षा का भरोसा जगाना और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश देना रहा।

फ्लैग मार्च के दौरान फोर्स ने कदमा के संवेदनशील इलाकों में बारी बारी से पैदल मार्च किया।इस मौके पर डीएसपी मुख्यालय-2 मनोज कुमार के नेतृत्व में मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च क्षेत्र के विभिन्न मुख्य मार्गों, संवेदनशील चौराहों और घनी आबादी वाले इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद भी किया और उनसे अफवाहों पर ध्यान न देने व त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।कदमा थाना प्रभारी दिलीप यादव ने लोगों से कहा किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर फौरन पुलिस को सूचित करे। 112 पर कॉल कर जानकारी दे।पुलिस प्रशासन की ओर से बकरीद को लेकर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवई की जायेगी।

तिलैया डैम में नहाने के दौरान डूबा युवक, मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : चंदवारा थाना क्षेत्र स्थित तिलैया डैम के कालेश्वरी मंदिर के समीप बुधवार को नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान उरवां निवासी 24 वर्षीय सचिन शर्मा, पिता शंकर शर्मा के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार सचिन शर्मा अपने कुछ दोस्तों के साथ नहाने के लिए तिलैया डैम गया था।इसी दौरान सभी युवक जलाशय में नहा रहे थे।नहाने के क्रम में सचिन अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा.उनके साथ नहाने गए दोस्तो ने उसे बचाने का प्रयास किया तथा शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोग भी मौके पर पहुंचे, लेकिन काफी देर तक खोजबीन के बाद भी उसे पानी से बाहर नहीं निकाला जा सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।स्थानीय गोताखरों की टीम ने काफी मशक्कत के बाद युवक का शव को डैम से बाहर निकाला।इधर, युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सरायकेला सीएचसी के एमओआईसी व पीएचसी मांगुडीह के चिकित्सक को शो कॉज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने व स्वस्च्छता की कमी पाये जाने पर सरायकेला सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व पीएचसी मांगुडीह के चिकित्सा पदाधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करते हुए विभागीय कारवाई करने का निर्देश उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने सिविल सर्जन को दिया है।डीसी बुधवार को जिला समाहरणालय में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत दिनों निरिक्षण में सीएचसी व पीएचसी में स्थिति काफी खराब पायी गयी।दोनों जगह में स्वच्छता का अभाव पाया गया जबकि रजिस्टर का संधारण से लेकर अन्य कार्य भी व्यवस्थित नही पाये गये जिस पर कारवाई करने का निर्देश दिया है।बैठक में डीसी ने कहा कि विगत दिनों सीएचसी गम्हरिया एवं राजनगर में जांच के दौरान पायी गयी कमियों के सुधार की जानकारी लिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध दवाओं का स्टॉक एवं एक्सपायरी का नियमित सत्यापन किया जाए, किसी भी परिस्थिति में एक्सपायर दवा अथवा स्वास्थ्य सामग्री पाए जाने पर संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी के विरुद्धकड़ी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में डीसी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत व्यय एवं लाभूकों के लाभ की जानकारी लिया और लाभूकों के यहां अचानक पहुंच कर जांच करने का निर्देश डीडीसी को दिया ताकि यह

पता चल सके की सही लाभूकों को लाभ मिल रहा है या नही।बैठक में डीसी ने सिविल सर्जन को आवश्यकता के अनुरूप ही दवाओं की खरीद सुनिश्चित करने को कहा ताकि अनावश्यक भंडारण एवं दवाओं की एक्सपायरी की स्थिति उत्पन्न न हो।डीसी ने बायोमैट्रिक उपस्थिति की समीक्षा करते हुए चिकित्सा पदाधिकारियों एवं कर्मियों की ऑनलाइन उपस्थिति कम पाए जाने पर बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही वेतन भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता, वेटिंग एरिया एवं मरीज सुविधा व्यवस्थाओं में सुधार लाने को कहा।डीसी ने कहा कि जिन स्वास्थ्य केंद्रों में अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध है, वहां मशीनें चालू अवस्था में रहनी चाहिए तथा आमजनों को उसका लाभ मिलना चाहिए। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभुकों का अधिकाधिक आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश भी दिया।बैठक में डसी ने वैसे चिकित्सक एवं चिकित्सा पदाधिकारी जिनका कंसल्टेशन निर्धारित लक्ष्य से अत्यंत कम अथवा शून्य पाया गया, उनसे स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया साथ ही टीकारण कार्य का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर शत प्रतिशत उपलब्धी हासिल करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजनों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।इसके लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, इसके बावजूद यदि कहीं भी लापरवाही अथवा अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।डीसी ने सभी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी, डीपीएम एवं बीपीएम को निर्धारित रोस्टर के अनुरूप कार्यस्थल पर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा कार्यस्थल के समीप निवास करने का निर्देश दिया।बिना स्वीकृत अवकाश के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।बैठक में डीसी ने डीपीएम एवं प्रखंडों में तैनात बीसीएम को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश देते हुए फटकार लगायी साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवा जनहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, आवश्यक होने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई एवं प्राथमिकी भी दर्ज की जाएगी।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

सेबी के नियमों का उल्लंघन करने पर कोल इंडिया पर 5.45 लाख का जुमार्ना,बीएसई से जुमार्ना माफ करने का कंपनी ने किया अनुरोध

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : कोल इंडिया पर सेबी के विभिन्न नियमों के अनुपालन में कमी पाये जाने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने 5,45,160 रुपये का जुमार्ना लगाया है।यह जुमार्ना जीएसटी सहित है।कंपनी को बुधवार को बीएसई की ओर से नोटिस प्राप्त हुआ। नोटिस में मार्च 2026 तिमाही के दौरान सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट) नियम 2015 के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन की बात कही गई है।इसमें रेगुलेशन 17(1), 18(1) और 19(1) व 19(2) के अनुपालन में कमी बताई गई है।कोल इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि यह गैर-अनुपालन कंपनी की लापरवाही या प्रबंधन की गलती से नहीं हुआ है।कंपनी के अनुसार बोर्ड में आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं हो पाने के कारण यह स्थिति बनी। कंपनी ने बताया कि कोल इंडिया एक सरकारी कंपनी है।इसके सभी बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति भारत सरकार के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, इसलिए यह प्रक्रिया कंपनी प्रबंधन के नियंत्रण से बाहर है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह लगातार कोयला मंत्रालय के संपर्क में है।आवश्यक स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए प्रयास किए जा रहे है. साथ ही बीएसई से जुमार्ना माफ करने का अनुरोध भी किया गया है।कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी बीपी दुबे ने इसकी जानकारी जारी की है।

आइआइसीएम इडी पद पर चयन नहीं, कोई उम्मीदवार उपयुक्त नहीं मिला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : कोल इंडिया की चयन समिति ने 25 मई को आयोजित इंटरव्यू के बाद इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन कोल मैनेजमेंट (आइआइसीएम) के कार्यकारी निदेशक (इडी) पद के लिए किसी भी उम्मीदवार की सिफारिश नहीं की है। कंपनी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार इ-9 ग्रेड में 1,50,000 से 3,00,000 वेतनमान वाले इस पद के लिए केवल इ-8 ग्रेड के पात्र और इच्छुक अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित किए गये थे। इस पद के लिए पात्रता की अंतिम तिथि 30 जनवरी 2026 निर्धारित की गई थी।चयन प्रक्रिया के तहत सभी आवेदनों की जांच के बाद उन्हें मुख्यालय भेजा गया। इसके बाद इंटरव्यू आयोजित किया गया।हालांकि चयन बोर्ड ने किसी भी उम्मीदवार को इस पद के लिए उपयुक्त नहीं पाया, जिसके कारण यह पद रिक्त रह गया। आइआइसीएम में यह पद प्रशिक्षण और प्रशासनिक कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है।कंपनी ने संकेत दिया है कि भविष्य में आवश्यकता के अनुसार पुनः चयन प्रक्रिया या नई अधिसूचना जारी की जा सकती है।

निरसा में शुरू हुआ एलिवेटेड फ्लाई ओवर निर्माण कार्य, रोजगार की मांग को लेकर माले ने रोका काम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : निरसा के देबीयाना गेट से लेकर खुदिया फाटक तक करीब चार किमी. एलिवेटेड फ्लाई ओवर का निर्माण कार्य विधिवत रूप से शुरू कर दिया गया है। जहां एनएच का जमीन है वहां दोनों किनारे सर्विस लेन का चौड़ीकरण भी किया जा रहा है।ताकि जाम का सामना नहीं करना पड़े. बीच में पीलर निर्माण को लेकर लोड टेस्टिंग करते हुए निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। जीतेशिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इसका निर्माण कार्य किया जा रहा है।जीतेशिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निरसा एनएच 19 में फ्लाई ओवर निर्माण कार्य बुधवार को भाकपा माले के कार्यकताओं ने रोक दिया।इस संबंध में माले नेताओं ने कहा कि फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य में स्थानीय बेरोजगारों को भी काम पर लगाया जाए।जिससे बेरोजगारी की समस्या भी खत्म होगी साथ ही निर्माण कार्य भी सही ढंग से होगा। निर्माण कार्य के दौरान डायवर्सन की क्या स्थिति होगी। इसकी जानकारी कंपनी को देनी चाहिए।साथ ही कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य के दौरान कई पेड़ को काटा गया है।इसके लिए क्या कंपनी ने एनओसी लिया है।यदि कंपनी इन सब बातों पर जल्द ही कोई सकारात्मक पहल नहीं करेगी तो निर्माण कार्य बंद रहेगा।इधर कंपनी के इंचार्ज ने बताया कि हम लोग निरसा हाथबाड़ी के समीप निर्माण कार्य कर रहे थे। इसी दौरान दिन के करीब 11:30 बजे दर्जनों की संख्या में लोगों ने आकर काम रोक दिया। गाली गलौज करते हुए हम लोगों को भगा दिया। समाचार लिखे जाने तक फ्लाई ओवर निर्माण कार्य बंद था।

झरिया विधायक रागिनी सिंह पहुंची अंगार पथरा, अवैध उत्खनन पर जताई नाराजगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : अंगारपथरा कांटापहाड़ी मोहल्ला में हुई भू- धंसान व दरार की घटना का जायजा लेने बुधवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह पहुंची। उन्होंने मोहल्ले के राजकुमार पासवान, कुंती देवी व राजेश कुम्हार के क्षतिग्रस्त आवास का निरीक्षण किया। प्रभावित परिवार से बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा बचाव व पुनर्वास की दिशा में पहल की जानकारी ली। महिलाओं ने अपनी आपबीती सुनाई। उनका कहना था कि डंके की चोट पर अवैध खनन कराया जाता है। कब क्या हो जाएगा कहना मुश्किल है। विधायक को मोहल्ले में खड़ी अवैध धंधेबाजों के तीन पोकलेन मशीन दिखाई गई। उसके बाद दो खुले मुहाने एवं करीब पांच बोरियों में अवैध कोयला भंडारण को दिखाया गया। विधायक रागिनी सिंह ने जीएम कतरास को मोबाइल पर संपर्क किया और नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आखिर हो क्या रहा है। कैसे लोगों का जिंदगी बचेगी ? उन्होंने कहा कि जीएम साहब अवैध कोयला खनन पर रोक लगाइए, शीतकालीन सत्र में पहला सवाल मेरा बाघमारा में हो रहे अवैध खनन से जुड़ा ही होगा। खुलेआम कोयलों की बोरियों का भंडार और मशीन पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि जब तक कोयला को जब्त कर नहीं हटाइएगा तब तक मैं यहां से जाने वाली नहीं हूं। सारे मुहाने को भरवाइए। सरकार की संपत्ति की लूट मची है और आपलोग देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जितने भी प्रभावित परिवार हैं उसे स्थाई व सुविधा के साथ पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों को कहा कि एक भी जान माल की क्षति हुई तो कोई नहीं छोडेगा। इसी बीच जेसीबी मशीन व हाइवा मंगाकर कोयला जब्त शुरू किया गया। मौके पर सत्येंद्र सिंह, विनोद सिंह, अनुज कुमार सिन्हा, हरेंद्र सिंह, चंद्रभान प्रसाद, सोनू सिंह, निर्मल सिंह आदि मौजूद थे।

ब्लॉक दो एबीओसीपी में शैली इन्फ्रा के मजदूरों ने किया चक्का जाम, करोड़ों की राजस्व क्षति और प्राथमिकी दर्ज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिले के बीसीसीएल की ब्लॉक-दो क्षेत्र के एबीओसीपी में बुधवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब बंद हो चुकी आउटसोर्सिंग कंपनी शैली इन्फ्रा के मजदूरों ने बकाया सीएमपीएफ राशि के भुगतान और पुनर्नियोजन (रोजगार) की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन चक्का जाम कर दिया। इस आंदोलन के कारण कोलियरी में 12 घंटे तक कोयले का उत्पादन और ट्रांसपोर्टिंग पूरी तरह ठप रही, जिससे प्रबंधन को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा है।मौके पर नाजीर अंसारी, खुर्सीद अंसारी, सागर चौहान, पोखराज महतो, अली अंसारी, गुड्डू चौहान, शिबू सिंह, रिंकी देवी, अख्तर अंसारी, बालिका देवी, रोजी परवीन, आसीम परवीन, रहमत अंसारी सहित सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष मजदूर मौजूद थे।सीआइएसएफ और पुलिस के साथ नोकझोंक,गाड़ियों के आगे लेटे मजदूर आंदोलन की उग्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जब बाघमारा थाना पुलिस और सीआईएसएफे के अधिकारी जाम हटाने पहुंचे, तो मजदूरों के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई।जब सुरक्षा बलों ने जबरन जाम हटाने का प्रयास किया, तो आक्रोशित मजदूर कोयला परिवहन करने वाली गाड़ियों के आगे और नीचे लेट गए। मामला बेहद गंभीर होता देख पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मजदूरों को सुरक्षित गाड़ियों के नीचे से बाहर निकाला।आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अख्तर हवारी ने बताया कि शैली इन्फ्रा कंपनी में कार्यरत रहे 192 मजदूरों की सीएमपीएफ राशि लंबे समय से बकाया है। मजदूर पिछले 15 वर्षों से अपनी गाढ़ी कमाई के भुगतान के लिए कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं।शैली इन्फ्रा का काम बंद होने के बाद, उसके स्थान पर आई नयी आउटसोर्सिंग कंपनी स्थानीय मजदूरों को रोजगार देने के बजाय टालमटोल की नीति अपना रही है। यह मामला बेहद संवेदनशील है और इसकी गूंज प्रधानमंत्री कार्यालय और माननीय राष्ट्रपति तक पहुंच चुकी है।इसके अलावा गृह मंत्रालय, कोयला मंत्रालय और सूबे के मुख्यमंत्री भी इस मामले को संज्ञान में ले चुके हैं, लेकिन स्थानीय प्रबंधन संवेदनहीन बना हुआ है।वहीं दूसरी ओर, बीसीसीएल प्रबंधन विकास कुमार का कहना है कि यह पूरा मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है।कानूनी प्रक्रिया के कारण ही भुगतान और निष्पादन में विलंब हो रहा है। हालांकि, मजदूर इस दलील से संतुष्ट नहीं हैं और मांग पूरी होने तक अनिश्चितकालीन चक्का जाम पर अड़े हुए हैं।कोलियरी का काम गैर-कानूनी ढंग से ठप कराने को लेकर बीसीसीएल प्रबंधन ने अब कानूनी रुख अख्तियार कर लिया है। ब्लॉक-दो के नोडल सुरक्षा पदाधिकारी विकास कुमार की शिकायत पर बाघमारा थाना में आंदोलनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।दर्ज शिकायत के अनुसारे मजदूरों द्वारा उत्पादन और डिस्पैच को जबरन बंद कराए जाने के कारण लगभग 4075 टन कोयला उत्पादन और ढुलाई पूरी तरह प्रभावित हुई है। इस एक दिनी बंदी के कारण कंपनी को एक करोड़ दस लाख दो हजार पांच सौ रुपये राजस्व की प्रत्यक्ष क्षति हुई है। पुलिस ने विकास कुमार के आवेदन पर अख्तर हवारी सहित कई 14 अन्य मजदूरों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। चार बजे विधायक रागनी सिंह के हस्तक्षेप पर जीएम कुमार रंजीव, एजीएम पीएसके सिन्हा, मैनेजर सुरेश प्रजापति, क्षेत्रीय प्रबंधक अनील कुमार एवं योजना एवं प्लानिंग मैनेजर जमसं पदाधिकारियों के साथ वार्ता की।जिसमें प्रबंधन द्वारा कहा गया कि सीएमपीएफ एवं अन्य के संबंध में मामला माननीय न्यायालय, धनबाद के विचाराधीन है, न्यायालय के निर्णयालोक मे अग्रेत्तर उचित कार्यवाही की जाएगी।इसके अलावा स्थानीय नियोजन/रोजगार के संबंध में संबंधित संवेदक को मामले का समुचित हल एक सप्ताह में निकालने हेतू निर्देशित करने का आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया।मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

चौधरी स्वीट्स में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बैंक मोड़ केंद्रीय गुरुद्वारा के सामने स्थित चौधरी स्वीट्स में बुधवार की सुबह अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में हड़कम मच गया। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान संचालक ने करीब पांच लाख रुपये के नुकसान का दावा किया है। दुकान संचालक ने आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया है। कुछ लोगों का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट से नहीं वरन एलपीजी के लिक होने से लगी है। फायर ब्रिगेड मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि सुबह करीब सात बजे अचानक चौधरी स्वीट्स की दुकान से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने काफी देर तक मशक्कत कर आग पर काबू पाया। दुकान के संचालक बबलू ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। दुकान में रखा सारा सामान जल गया। करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान में तेल गर्म करने के दौरान गैस सिलेंडर लिक होने से आग लगी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध तरीके से लगाए गए चूल्हों की जांच की मांग की है। फिलहाल फायर ब्रिगेड और प्रशासन आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हुए हैं।

बीसीसीएल ने कोर्ट मोड़ एवं स्टील गेट में खोली पनशाला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिले में जारी भीषण गर्मी एवं तापमान के बीच राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ एवं निर्मल पेयजल के माध्यम से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से बीसीसीएल ने दो पनशाला खोली। पनशाला कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से खोली गई है। पनशाला कोर्ट मोड़, रणधीर वर्मा चौक तथा स्टील गेट के समीप शुरू हुई है। पनशालाओं का उद्घाटन महाप्रबंधक (खनन/एचआरडी) सुधाकर प्रसाद, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज तथा विभागाध्यक्ष (औद्योगिक संबंध/सीएसआर) सुरेन्द्र भूषण ने किया। इस अवसर पर कोयला भवन मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों एवं राहगीरों के बीच शीतल पेयजल, शरबत इत्यादि का वितरण भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि बीसीसीएल अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से जनहित, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सेवा के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है। एके सहाय को दी गई श्रद्धांजलि

आयुष्मान योजना में अनियमितता पर निजी अस्पतालों पर लगेगा जुमार्ना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :आयुष्मान योजना से इलाज में गड़बड़ी या अनियमितता बरतने पर निजी अस्पतालों पर कार्रवाई होगी। जुमार्ना भी लगेगा। बुधवार को डीसी आदित्य रंजन ने यह निर्देश जारी किया। डीसी की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए गठित जिला शिकायत निवारण समिति (डीजीआरसी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में निजी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रस्तुत दावों में से कुछ दावों को नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट ने जांचोपरांत खारिज कर दिया था। डीसी ने वैसे खारिज दावों की समीक्षा की। डीसी ने नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट द्वारा जेपी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के 28, सर्वमंगला नर्सिंग होम के 18, एशियन द्वारकादास जालान अस्पताल के 4, आरोग्य नर्सिंग होम के 4, राज क्लिनिक एंड रिसर्च सेंटर के 3 तथा लाइफ लाइन अस्पताल के 2 खारिज दावों की समीक्षा की। डीसी ने कहा कि आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और लाभार्थी इसके दुरुपयोग से मुक्त रहे। उन्होंने कहा कि नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट ने जांच में जिन मामलों को संदिग्ध बताया है उन पर संबंधित निजी अस्पतालों से आयुष्मान भारत योजना के नियमानुसार जुमार्ना लगाएं। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, डॉ विकास कुमार राणा, आयुष्मान योजना के जिला समन्वयक निशांत राज, क्लस्टर हेड रुपेश सिंह, डीपीसी निवास कुमार तथा निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

अनियमितता मिलने पर संवेदक को डीडीसी ने लगाई फटकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीडीसी सन्नी राज ने बुधवार को तोपचांची प्रखंड की विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निर्माण में गड़बड़ी मिलने पर डीडीसी ने ठेकेदार को फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं संवेदकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीडीसी ब्राह्मणडीहा पंचायत चरकोनिया तालाब एवं बड़का तालाब का निरीक्षण किया। इस तालाब की मेढ़ पर पौधरोपण कराने, तालाब के इनलेट की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा तालाब के बीच में मौजूद बोल्डर को ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर अविलंब हटाने तथा योजनास्थल पर शिलापट्ट लगाने का निर्देश दिया। प्राथमिक विद्यालय सहुबहियार एवं मध्य विद्यालय चिरूडीह का निरीक्षण किया। संबंधित संवेदक को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर विद्यालय प्रबंधन को हैंडओवर करने का निर्देश दिया। दोनों विद्यालय परिसरों में जहां-जहां गड्ढे हैं वहां मिट्टी भराई कराने को कहा। जबकि मध्य विद्यालय चिरूडीह में नव निर्मित बालिका शौचालय में पानी की सुविधा उपलब्ध कराने का मुखिया को 15वें वित्त आयोग मद से जल कनेक्शन कराने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने तोपचांची स्थित प्रोजिनी नर्सरी का भी भ्रमण किया। जहां उद्यान पदाधिकारी को मॉडल डीपीआर तैयार कर उद्यान को एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। सुकुडीह एवं घुंगसा पंचायत में मत्स्य योजना से लाभान्वित लाभुकों के यहां संचालित विभिन्न प्रकार के मत्स्य पालन कार्यों का निरीक्षण किया। इस क्रम में लाभुकों से संवाद कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त कृषि पदाधिकारी के साथ खेसमी पंचायत में संचालित ड्रिप सिंचाई, सोलर पंप एवं प्रोटेक्टेड हॉर्टिकल्चर योजनाओं का भी निरीक्षण किया। तोपचांची स्थित प्री-फेब्रिकेटेड डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण करते हुए उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आमजन के लिए सेवा प्रारंभ करने का निर्देश दिया। वहीं तोपचांची जल शोधन संयंत्र (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) का भी निरीक्षण कर ग्रामीणों के लिए पेयजल आपूर्ति को सुचारु रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। वहीं गुनगुसा एवं सुकुडीह ग्राम में अधिष्ठापित दो बायोफ्लॉक तालाब, 7 टैंक बायोफ्लॉक तथा खदान में केज कल्चर योजनाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण के अंतिम चरण में उप विकास आयुक्त ने चालकारी पंचायत में जिला परिषद मद से निमार्णाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर उप विकास आयुक्त ने संवेदक को कड़ी फटकार लगाई तथा गुणवत्ता में सुधार नहीं होने पर भविष्य में कार्य आवंटित नहीं किए जाने की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

कोल कंपनियां खनन कार्यों में अपना रही आधुनिक डिजिटल और आइटी तकनीक सुरक्षित-स्मार्ट निगरानी, पर्यावरण सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : देश की प्रमुख कोल कंपनियां अब खनन कार्यों में आधुनिक डिजिटल और आइटी तकनीकों का तेजी से इस्तेमाल कर रही है। कोयला मंत्रालय के दिशा-निर्देशन में बीसीसीएल, इसीएल व सीसीएल समेत अन्य कोल कंपनियों की खदानों में नयी तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा, पारदर्शिता और उत्पादन क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। बुधवार को यह जानकारी कोयला मंत्रालय ने अपने सोशल साइट पर साझा की है। जानकारी के मुताबिक इन कंपनियों की कई खदानों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) के जरिये 24 घंटे इलेक्ट्रॉनिक निगरानी की व्यवस्था की गयी है।इससे खदानों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट जारी किया जा सकता है।जबकि ऑपरेटर-इंडिपेंडेट ट्रक डिस्पैच सिस्टम के माध्यम से कोयला परिवहन को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा रहा है।वहीं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीएएक्यूएमएस) का उपयोग किया जा रहा है।इसके जरिये वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी हो रही है। साथ ही ह्यथ्री-डी टीएलएस विथ जीएनएसएसह्ण तकनीक से खदानों में सटीक माप व सर्वेक्षण कार्य किये जा रहे हैं।इसके अलावा खान प्रहरी एप और सीएमएसएमएस वेव एप जैसी डिजिटल पहल अवैध खनन की निगरानी और खदान प्रबंधन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।कोयला मंत्रालय का कहना है कि आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से खनन कार्य अब अधिक सुरक्षित, टिकाऊ और प्रभावी बन रहा है।इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

करंट लगने से मजदूर की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। टुंडी प्रखंड के मनियाडीह जीतपुर में करंट लगने से बुधवार की एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान 39 वर्षीय टेकलाल मंडल के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे की वजह बताया है। जानकारी के अनुसार घर के बाहर 220 वोल्ट का एलटी तार नीचे गिरा हुआ था। बुधवार को टेकलाल मंडल जैसे ही घर से बाहर निकले, वह तार की चपेट में आ गए। करंट लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े और छटपटाने लगे। आसपास मौजूद लोग और परिजन उन्हें बचाने के लिए दौड़े। काफी मशक्कत के बाद किसी तरह उन्हें तार से अलग किया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक के भाई गोखुल मंडल ने बताया कि तार काफी देर से नीचे गिरा हुआ था। सुबह घर से बाहर निकलते ही टेकलाल उसकी चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि अगर बिजली विभाग समय पर ध्यान देता तो यह हादसा नहीं होता। परिजनों ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

28-05-2026 T.P. Page 4_Layout 1 28-05-2026 07:04 Page 1

संक्षिप्त खबरें

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर बुधवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से स्टेशन परिसर में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 के पूर्वी छोर पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष बताई जा रही है। जीआरपी पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर उसके पास से किसी प्रकार का पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज बरामद नहीं हुआ।पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक कोई यात्री नहीं था। शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा गया, जहां प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे रेलवे अस्पताल के शीतगृह में सुरक्षित रखा गया है।मृतक ने गुलाबी रंग की शर्ट और काले रंग की पैंट पहन रखी थी। फिलहाल पुलिस उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। जीआरपी ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।पुलिस ने बताया कि अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। यदि निर्धारित समय तक शव की पहचान नहीं हो पाती है, तो नियमानुसार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पलामू प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय द्वारा विभागीय परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने आगामी विभागय परीक्षा को मद्दे नजर रखते हुए गिरिवर +2 हाई स्कूल का किया निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने परीक्षा संचालन को पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यालय परिसर में स्वच्छता, पेयजल (डिस्पोजल के साथ), बिजली, सी.सी.टी.वी., मेडिकल किट एवं बैठने की समुचित व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। साथ ही परीक्षा कक्षों में पर्याप्त रोशनी एवं आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा।निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने केंद्र पर अनुशासन बनाए रखने तथा परीक्षा संबंधी सभी मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।आयुक्त ने विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की बात कही, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

जेएसएलपीएस संकुल संगठनों द्वारा राहगीरों के लिए पनशाला (प्याऊ) का शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए जिले के विभिन्न प्रखंडों में राहगीरों एवं आमजनों की सुविधा के लिए जेएसएलपीएस संकुल संगठनों द्वारा पनशाला (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया। यह जनहितकारी पहल सखी मंडल की दीदियों द्वारा संचालित की जा रही है, जिसके तहत बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले प्रमुख मार्गों पर लोगों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा हैकार्यक्रम ।के दौरान उपस्थित अतिथियों ने महिला समूहों की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में राहगीरों को पेयजल उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा है। इससे समाज में सहयोग, संवेदनशीलता एवं जनसेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है।जिले के चैनपुर, रामगढ़, तरहसी, मेदिनीनगर, हरिहरगंज, पिपरा सहित विभिन्न प्रखंडों के संकुल संगठनों द्वारा पनशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सखी मंडल की दीदियों ने भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभायी।

जैक ने मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी किया, 1165 उत्तीर्ण हुए,सफल विद्यार्थियों का नामांकन षष्टम वर्ग में लिया जायेगा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) रांची की ओर से आयोजित मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा-2026 का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। यह परिणाम जैक की वेबसाइट पर घोषित किया गया है।इस परीक्षा में 1165 विद्यार्थी सफल घोषित किये गये है।इस परीक्षा में कुल 3479 विद्यार्थी शामिल हुए थे।सफल विद्यार्थियों का नामांकन मॉडल स्कूल के छठी कक्षा में लिया जायेगा।जैक के अध्यक्ष डॉ नटवा हांसदा ने प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी करते हुए सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। डॉ हांसदा ने विद्यार्थियों को लगातार मेहनत करने तथा अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। परीक्षा के सुचारु संचालन में सहयोग देनेवाले जिला शिक्षा पदाधिकारी, परीक्षा कार्य में संलग्न कर्मी, शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन व जैककर्मियों के प्रयासों की सराहना की है।परीक्षा परिणाम जारी रने के समय जैक के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

चुप्पी तोड़ो,स्वस्थ रहो अभियान को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

28 मई से 4 जून तक जिलेभर में चलेगा माहवारी स्वच्छता जागरूकता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो कार्यक्रम अंतर्गत राज्यव्यापी अभियान 28 मई से 4 जून तक चलाया जाना है। इस अभियान को जिले में प्रभावी तरीके से संचालित करने को लेकर बुधवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने एनआईसी सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी बीड-ीओ एवं प्रखंड वाश समन्वयकों के साथ बैठक की। वहीं एनआईसी सभागार में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता तथा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।बैठक में उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि माहवारी स्वच्छता दिवस केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जमीनी स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान के रूप में चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भी राज्य में मात्र 52 प्रतिशत किशोरियां एवं महिलाएं ही सैनिटरी नैपकिन का उपयोग करती हैं, जो चिंताजनक स्थिति है। ऐसे में समाज में जागरूकता बढ़ाकर इस आंकड़े में सुधार लाना हम सभी की जिम्मेदारी है।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि माहवारी स्वच्छता केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा, शिक्षा और सुरक्षित जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने सभी प्र-खंडों में पंचायत एवं समुदाय स्तर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। अभियान के तहत किशोरियों एवं महिलाओं को सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी प्रबंधन, सैनिटरी नैपकिन के उपयोग तथा सुरक्षित निपटान के प्रति जागरूक किया जाएगा।बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में अभी भी बड़ी संख्या में महिलाएं असुरक्षित साधनों का उपयोग करती हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं। अभियान के माध्यम से माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों एवं झिझ-क को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। अभियान के दौरान पंचायत एवं समुदाय स्तर पर छोटे समूहों में बैठक, प्रभातफेरी, शपथ ग्रहण, रेड डॉट चैलेंज, जागरूकता रैली तथा स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही स्वयं सहायता समूह, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया।

52वें पुण्य स्नान उत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब,सत्संग आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार,

शोभायात्रा व भजन-कीर्तन से भक्तिमय बना माहौल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : सत्संग आश्रम में बुधवार को श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 52वां पुण्य स्नान उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया।पूरे दिन आश्रम परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे हजारों अनुयायियों ने उत्सव में भाग लेकर ठाकुर जी के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।मान्यता है कि वर्ष 1966 में इसी दिन श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी की इच्छा अनुसार नये स्नान कुंड में पहली बार स्नान कराया गया था। तभी से प्रतिवर्ष इस दिन को पुण्य स्नान उत्सव के रूप में मनाया जाता है।कार्यक्रम की शुरूआत अले सुबह चार बजे उषा कीर्तन से हुई। इसके बाद सुबह 4:59 बजे समवेत प्रार्थना आयोजित की गयी। इस दौरान ठाकुर जी के ग्रंथों का पाठ किया गया तथा उनके उपदेशों पर प्रवचन दिया गया। सुबह 6:30 बजे बड़नाप मंडप में संगीतांजलि कार्यक्रम हुआ, जिसमें भक्तों ने भक्ति गीत प्रस्तुत कर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया।सुबह 8:15 बजे निवृत निकेतन भवन से श्रीश्री ठाकुर जी एवं बड़ मां की अष्टधातु निर्मित प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजे ट्रॉली पर निकाला गया।श्रीश्री आचार्य देव अर्कद्वितीय चक्रवर्ती के नेतृत्व में प्रतिमा की शोभायात्रा पूरे आश्रम परिसर में निकाली गयी।श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।इसके बाद प्रतिमा को स्नान कुंड लाया गया, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगाजल, केवड़ा और इत्र मिश्रित जल से विधिवत स्नान कराया गया।स्नान अनुष्ठान के बाद पुनः प्रतिमा को पूरे आश्रम में भ्रमण कराते हुए निवृत निकेतन में स्थापित किया गया।दोपहर एक बजे से देर शाम तक आनंद बाजार में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।वहीं शाम सात बजे से स्नान कुंड के समीप सत्संग, भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए।पूरे दिन आश्रम में भक्तों की भीड़ और जयघोष से माहौल गूंजता रहा।

पुरुषोत्तम एकादशी पर निकली खाटू श्याम बाबा की भव्य निशान शोभायात्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : पुरुषोत्तम मास की एकादशी के अवसर पर बुधवार को मारवाड़ी समाज की ओर से खाटू वाले श्याम बाबा की भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई।राजस्थानी वेशभूषा में शामिल श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ नगर भ्रमण किया। शोभायात्रा की शुरूआत चौक बाजार स्थित डाकिनाथ मंदिर की ठ-ाकुरबाड़ी से हुई।मारवाड़ी समाज के पुरोहित महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में निकली यह यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए दहला स्थित पुरुषोत्तम गली पहुंची जहां खाटू श्याम बाबा के शीश की स्थापना की गई है।श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर बाबा की परिक्रमा की तथा प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान खाटू श्याम बाबा मंदिर के पुरोहित सोनू पांडे ने पुरुषोत्तम मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह माह दान और पुण्य का प्रतीक माना जाता है।उन्होंने कहा कि दानवीर कर्ण वर्ष के बारहों महीने सवा मन सोना दान किया करते थे और पुरुषोत्तम मास में किया गया दान विशेष फलदायी माना जाता है।उन्होंने लोगों से जरूरतमंदों की सहायता करने की अपील भी की।निशान यात्रा चौक बाजार,महात्मा गांधी चौक,जैन राय रोड,महाजन पट्टी,गुड़ बाजार और धर्मशाला चौक होते हुए पुनः अपने गंतव्य स्थान पहुंची,जहां श्रद्धालुओं ने अपने-अपने निशान और ध्वज की पूजा कर उन्हें खाटू श्याम बाबा के दरबार में समर्पित किया।पूरे आयोजन के दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

श्रम विभाग द्वारा हरिहरगंज एवं पिपरा क्षेत्र में चलाया गया छापेमारी अभियान,8 बाल श्रमिकों को कराया गया मुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : श्रम अधीक्षक, पलामू अमित कुमार चौधरी के नेतृत्व में बुधवार को पलामू जिले के हरिहरगंज एवं पिपरा प्रखंड क्षेत्रों में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 8 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया।बकौल श्रम अधीक्षक इन बच्चों से होटल एवं ढाबों में वेटर का कार्य, प्लेट उठाने तथा साफ-सफाई जैसे कार्य कराए जा रहे थे। मुक्त कराए गए बच्चों की उम्र लगभग 8 वर्ष से 13.5 वर्ष के बीच बतायी गयी है।श्रम अधीक्षक श्री चौधरी ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से कार्य कराना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में नियोजकों के विरुद्ध 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा अथवा 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुमार्ना, या दोनों का प्रावधान है।उन्होंने बताया कि बाल श्रमिकों को नियोजित करने वाले संचालकों के विरुद्ध हरिहरगंज एवं पिपरा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। साथ ही मुक्त कराए गए बच्चों के विद्यालय में नामांकन एवं उनके परिवार के पुनर्वास की कार्रवाई भी की जाएगी।इस अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी हरिहरगंज, हुसैनाबाद एवं सदर-मेदिनीनगर के साथ जिला समन्वयक अग्रगति पलामू एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।श्रम अधीक्षक ने कहा कि बाल श्रम केवल कानूनी अपराध ही नहीं, बल्कि मानवाधिकारों का उल्लंघन भी है। बच्चों का सही स्थान कार्यस्थल नहीं बल्कि विद्यालय है। समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए बाल श्रम के विरुद्ध सभी को जागरूक एवं संवेदनशील होने की आवश्यकता है।

जन समाधान दिवस बना बुजुर्ग की उम्मीद का सहारा,उपायुक्त ने कहा बाबा, अब आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, आपका काम आज और अभी यहीं होगा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जन समाधान दिवस के तहत जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त श्री शेखावत ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जन समाधान दिवस में उस समय मानवीय संवेदना की एक मिसाल देखने को मिली जब पाटन प्रखंड के नवाजयपुर से पहुंचे 81 वर्षीय बुजुर्ग उदित ठाकुर ने उपायुक्त को बताया कि उनका वृद्धा पेंशन पिछले लगभग एक वर्ष से बंद पड़ा है। उन्होंने कहा कि आधार से संबंधित किसी त्रुटि के कारण पेंशन रुक गई है, लेकिन वृद्धावस्था एवं आंखों से दिव्यांग होने के कारण वे विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने में असमर्थ हैं।बुजुर्ग की बातें सुनते ही उपायुक्त ने तत्काल उन्हें बैठाकर पानी पिलाया और बेहद आत्मीयता के साथ कहा, ‟बाबा, अब आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं है, आपका काम आज और अभी यहीं से होगा।”इसके बाद उपायुक्त ने मौके पर मौजूद सामाजिक सुरक्षा विभाग के सहायक निदेशक पीयूष को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।अधिकारियों द्वारा तत्काल बुजुर्ग का आधार अपडेट कराया गया तथा बैंक खाते से आधार सी-डिंग की प्रक्रिया भी पूर्ण कराई गई। आवश्यक त्रुटियों को दूर करते हुए वृद्धा पेंशन पुनः चालू करने एवं लंबित राशि भुगतान की प्रक्रिया प्रा-रंभ कर दी गई।सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक पीयूष ने बताया कि आगामी सात दिनों के भीतर उदित ठाकुर के बैंक खाते में पिछले एक वर्ष की लंबित पेंशन राशि भेज दी जाएगी।जन समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति एवं स-ार्वजनिक समस्याओं से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

तालाब से अजगर का किया गया रेस्क्यू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : जिले के गारू प्रखंड के बारेसांढ़ के पहाड़ कोचा गांव मे सत्येंद्र सिंह के घर के पास तालाब में एक विशाल अजगर सांप पाया गया। विशाल अजगर निकलने की सूचना वहां के ट्रैकर कृष्ण सिंह को प्राप्त हुई। उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभारी वनपाल साकेत पांडेय अपने रेस्क्यू टीम के के साथ पहुंचे। अजगर सांप जिसे की इंडियन रॉक पाइथन भी कहा जाता है का सफल रेस्क्यू कर उसे पास के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया।उन्होंने आसपास के लोगों से सांप को नहीं मारने की अपील करते हुए बताया किया सांप हमारे पारिस्थितिक तंत्र के अभिन्न अंग हैं तथा कहीं भी सांप निकलने पर इसकी तत्काल सूचना वन विभाग को दें।रेस्क्यू टीम में ट्रैक्टर अमन, कृष्णा, लक्ष्मण, धनेश्वर, इमरान, प्रभारी वनपाल मुकेश ओझा, वन्य जीव चित्रकार शेरा गुप्ता, पवन व आकाश शामिल थे।

तेज आंधी से कई पेड़-पौधे गिरे, कई दुकानें क्षतिग्रस्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : पेटरवार प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार के अपराह्न करीब तीन बजे तेज रफ्तार से आयी आंधी चलने के कारण कई पेड़-पौधे उखड़ कर गिर गये। कई जगहों पर पेड़ों का मोटा डाली टूट कर दुकानों व विद्युत तार में गिर गया। पेटरवार के छत्रु राम महतो चौक के रामगढ़ पथ एवं तेनुघाट पथ पर तेज आंधी से कई पेड़ एवं पेड़ों का मोटा डाली टूट कर कई दुकानों एवं विद्युत तार में गिर गया। जिससे अफरा-तफरी मच गया। चौक पर स्थित नितीश गुप्ता के दुकान में डाली गिरने से उसके दुकान का एसबेस्टस टूट गया।

बकरीद को लेकर नोवामुंडी में पुलिस का सख्त पहरा, फ्लैग मार्च से हुड़दंगियों को कड़ा संदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए नोवामुंडी पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में बुधवार शाम करीब 5:30 बजे थाना प्रभारी नयन कुमार सिंह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च नोवामुंडी थाना परिसर से शुरू होकर जामा मस्जिद परिसर, रेल फाटक, नोवामुंडी बाजार, पेट्रोल पंप, स्टेशन रोड, बाजार चौक होते हुए डीवीसी चौक तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस बल ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आम लोगों से पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की।मार्च में सब-इंस्पेक्टर पूर्णिमा कुमारी, सब-इंस्पेक्टर अखिलेश सिंह, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह, राजीव रंजन समेत जिला पुलिस बल के जवान शामिल रहे।सब-इंस्पेक्टर पूर्णिमा कुमारी ने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना और असामाजिक तत्वों में भय पैदा करना है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार का हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है और ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार का दुष्प्रचार या भ्रामक सूचना फैलने न पाए।जानकारी के अनुसार, नोवामुंडी की छोटी मस्जिद में सुबह 6:45 बजे, डीपीएस मस्जिद में सुबह 7 बजे तथा नोवामुंडी ईदगाह में सुबह 7:30 बजे बकरीद की नमाज अदा की जाएगी।पुलिस प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा कर्मियों की हड़ताल से निपटने के लिए सरकार सख्त, जारी किये निर्देश,12 मार्च से हड़ताल पर हैं कर्मी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में मनरेगा कर्मियों की हड़ताल को देखते हुए ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों को जरूरी दिशा-निर्देश जारी किये हैं, ताकि मनरेगा योजनाओं का काम प्रभावित न हो और मजदूरों को समय पर रोजगार मिलता रहे। विभाग के संयुक्त सचिव अरुण कुमार सिंह ने पत्र में सभी उपायुक्त-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक तथा उप विकास आयुक्तों को आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया है. मनरेगा क्रमी 12 मार्च से हड़ताल पर हैं। पत्र में कहा गया है कि मनरेगा कर्मियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की सूचना मिली है।सरकार ने निर्देश दिया है कि दैनिक कार्यों के निष्पादन के लिए ब्लॉक एडमिन या डीबीसी एडमिन के माध्यम से मुख्य कार्यक्रम पदाधिकारी के नाम से नया लॉगिन आइडी और पासवर्ड बनाया जाये।इस लॉगिन के जरिये मुख्य कार्यक्रम पदाधिकारी स्वयं अथवा अपने पर्यवेक्षण में काम करायेंगे।विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि हड़ताल पर जाने वाले कर्मियों पर नो वर्क नो पे लागू होगा। हड़ताल अवधि का मानदेय नहीं दिया जायेगा।यदि किसी कर्मी द्वारा अपने लॉगिन से किसी प्रकार की छेड़छाड़ की जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी।पत्र में यह भी कहा गया है कि प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के कार्यों का निष्पादन प्र-खंड स्तर पर पदस्थापित अन्य कर्मियों, अधिकारियों तथा पीएमएवाई-जी के प्रखंड समन्वयकों की मदद से कराया जा सकता है।वहीं मनरेगा योजनाओं के तीनों चरणों की जियो टैगिंग का कार्य पंचायत सचिव और जनसेवकों से कराने का निर्देश दिया गया है।

सशक्त अस्थाई समिति के चुनाव में मेयर खेमे की हुई जीत

कड़े मुकाबले में सात सदस्यों के लिए हुए चुनाव

कविता, बद्री, रूमी, जमील प्रभावती, बिभा व सुनीता भी चुने गए

मधुबनी, (ईएमएस)। मघुबनी नगर निगम में पिछले 5 दिनों से जारी राजनीतिक गहमागहमी बुधबार को समाप्त हो गया। डीआरडीए के सभागार में कड़ी सुरक्षा के बीच नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति के सात सदस्यों का चुनाव संपन्न हुआ। इस चुनाव में मेयर अरुण राय के खेमे ने जीत दर्ज करते हुए अपनी पकड़ मजबूत साबित की। वहीं विपक्षी के खाते में दो सीटें गई। कांटे की टक्कर में सदस्यों का निर्वाचन, निर्वाचन प्रक्रिया बुधवार सुबह से ही बेहद गहमा गहमी भरा भरा रहा। पार्षदों के बीच दो गुटों में हुई जबरदस्त गोलबंदी का असर नतीजों पर साफ दिखा। सबसे रोमांचक मुकाबला पांचवे पद के लिए हुआ, जहां अनीसुर रहमान व जमील अंसारी आमने-सामने थे। जमील अंसारी ने महज एक वोट के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 23 मत मिले जबकि अनीसुर को 22 मत प्राप्त हुए।

विजेताओं की सूची और मतों का गणित

चुनाव परिणामों के अनुसार, पहले पद के लिए बिभा देवी 26 मत प्राप्त कर पार्वति कुमारी को 18 मत के अंतर से हराया। दूसरे पद पर कविता झा 23 मत लेकर निवर्तमान सदस्य आशीष को 3 मत से हराया। तीसरे पद के लिए बद्री नारायण राय ने 25 मतों के साथ रंजीत कुमार 19 मत को पराजित किया। चौथे पद पर रूमी देवी ने 24 मत प्राप्त कर कैलाश सहनी (19 मत को मात दी। छठे पद के लिए सुनीता देवी 27 मत पाकर निराला देवी 18 मत को मात दी। जबकि सातवें पद के लिए प्रभावती देवी 24 मत ने राकेश कुमार मंडल 21 मत को 3 मतो से करारी शिकस्त दी।

महिलाओं का रहा दबदबा

सशक्त स्थायी समिति के निर्वाचन में महिला सदस्यों ने बाजी मारी। मेयर व डिप्टी मेयर गुट से क्रमशः कविता झा, रूमी देवी व प्रभावती देवी ने जीत दर्ज की. जबकि विपक्षी गुट से बिभा देवी व सुनीता देवी ने जीत दर्ज की। इस तरह मेयर गुट के 5 सदस्य व विपक्षी गुट के 2 सदस्य निर्वाचित हुए।

खुब उड़े गुलाल

चुनाव का परिणाम आते ही दोनों गुटो के समर्थकों ने गुलाल लगाकर बधाई दी तथा जमकर नारेबाजी की। मेयर गुट के विजेता सदस्य अपने समर्थकों के साथ डीआरडीए कार्यालय से लेकर नगर निगम कार्यालय तक विजय जुलूस निकाला। नगर निगम कार्यालय में मेयर ने सभी सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। वहीं विजेता सदस्यों ने मेयर को फुल माला पहनाकर स्वागत किया।

विकास के लिए एकजुटता का आह्वान

जीत के बाद मेयर अरुण राय ने सभी निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी। मेयर श्री राय ने कहा कि चुनावी प्रतिस्पर्धा अब समाप्त हो चुकी है और अब सभी का लक्ष्य शहर का चहुंमुखी विकास होना चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से जनहित के कार्यों में सहयोग करने की अपील की। इधर, इस चुनाव के साथ ही अब नगर निगम के विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराज्यीय जहरखुरानी गिरोह का पदार्फाश करने वाले टीम हुए पुरस्कृत

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल के गया-धनबाद रेल क्षेत्र में अपराध नियंत्रण अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए आरपीएफ की सीआईबी और कोडरमा आरपीएफ की टीम ने जहरखुरानी की घटनाओं को अंजाम देने वाले कुख्यात अंतरराज्यीय साधु गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफल हुए थे। गिरोह लंबे समय से ट्रेनों में यात्रियों को नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। गिरोह की गिरफ्तारी के बाद रेलवे सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली है।

रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने गुप्त सूचना और लगातार निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह के सदस्यों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार गिरोह विभिन्न रेल सेक्शनों में सक्रिय था और साधु का वेश धारण कर यात्रियों को अपना निशाना बनाता था।

सराहनीय कार्य पर आरपीएफ जवानों को मिला नकद पुरस्कार

इस सराहनीय कार्रवाई के लिए अरविंद कुमार राम समेत सात रेल सुरक्षा बल कर्मियों को आरपीएफ के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त हाजीपुर अमरेश कुमार ने टीम को ग्रुप अवार्ड प्रदान किया गया है। पुरस्कृत होने वालों में सीआइबी निरीक्षक अरविंद कुमार राम, सब इंस्पेक्टर शशिकांत तिवारी, हेड कांस्टेबल अमित कुमार प्रसाद, कांस्टेबल आदित्य नारायण राय और अमित कुमार वर्मा के अलावे गुरपा आरपीएफ आउट पोस्ट में तैनात उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार तथा कांस्टेबल मीकू कुमार को पुरस्कार राशि प्रदान की गई।आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जहरखुरानी, चोरी तथा लूट जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस कार्रवाई से ऐसे अपराधों में शामिल गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

पांच दिनों के भीतर 200 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के संगठन विस्तार को लेकर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद पाण्डेय द्वारा की गई। इसमें पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और नए सदस्यों को जोड़ने पर विशेष चर्चा हुई।बैठक में सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई और पांच लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में आगामी पांच दिनों के भीतर कम से कम 200 नए सदस्य बनाए जाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए कार्यकताओं को गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क करने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से अवगत कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है। बैठक में सभी सदस्यों ने एकजुट होकर संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं को जन-जन तक पहुंचाने और आम लोगों की आवाज उठाने पर भी जोर दिया गया।बैठक में इंटक अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा, पंकज कुमार पंकज, पांडेय ओंकारनाथ, बुलंद अख्तर, प्रयाग यादव, कैलाश दास, कुमार विक्रम, विजय यादव, सुरेंद्र प्रसाद, रिंकू देवी सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फतेहपुर : आधी रात दीवार फांद घर में घुसा युवक, मां-बेटे पर चाकू से किया हमला

ग्रामीणों ने पकड़कर आरोपी को पुलिस के हवाले किया

फतेहपुर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को भेजा जेल

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के डुमरीचट्टी गांव में एक युवक ने घर में घुसकर महिला और उसके बेटे पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि बेटे को भी चोटें आई हैं। शोरगुल सुनकर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों की तत्परता से दोनों की जान बच सकी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पीड़िता के परिजन सुशीला देवी द्वारा थाना में दिए गए आवेदन के अनुसार सोमवार की रात करीब 12 बजे परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान गिरीडीह जिला निवासी अनिल कुमार घर की दीवार फांदकर अंदर घुस आया और उनकी मां रामरती देवी पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में रामरती देवी के गले में गंभीर जख्म हो गया। मां की चीख-पुकार सुनकर बेटा पिंटू कुमार बचाने पहुंचा तो आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी पीठ पर चोट लगी। शोर सुन आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तथा आरोपी के हाथ से चाकू छीन लिया। इसके बाद किसी तरह दोनों घायलों को बचाया गया।परिजनों ने घायल रामरती देवी को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद फतेहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि पीड़िता के परिजन के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बकरीद से पहले फतेहपुर व गुरपा में सुरक्षा का भरोसा सड़कों पर उतरी पुलिस

अफवाहों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार देर शाम फतेहपुर और गुरपा थाना पुलिस ने क्षेत्र में व्यापक फ्लैग मार्च निकाला। फतेहपुर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार और गुरपा थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार के नेतृत्व में निकले इस मार्च के दौरान पुलिस बल ने लोगों के बीच सुरक्षा और विश्वास का संदेश दिया।फ्लैग मार्च फतेहपुर बाजार, डुमरीचट्टी, रुपिन, पहड़पुर, गुरपा, बघबंदवा, पुरनीबथान समेत विभिन्न गांवों और प्रमुख बाजार क्षेत्रों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस टीम पूरी तरह सक्रिय और सतर्क नजर आई। जगह-जगह लोगों से संवाद कर पर्व को भाईचारे और आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की गई।

थानाध्यक्ष मनोज कुमार और शिवनंदन कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि सभी लोग सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मना सकें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों की मौजूदगी से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना रहा। प्रशासन ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा पर्व के दौरान लगातार गश्ती अभियान जारी रहेगा।

बिहार कैबिनेट ने 27 प्रस्तावों को दी मंजूरी, जन प्रतिनिधियों-कर्मचारियों को मिलेंगी कैशलेस चिकित्सा सुविधाएं

पटना, (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार शाम आयोजित बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में स्वास्थ्य, भूमि नीति, रोजगार, सिंचाई, प्रशासनिक सुधार और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनका व्यापक असर राज्य के प्रशासनिक और विकासात्मक ढांचे पर पड़ेगा।

मंत्रिपरिषद ने बिहार विधानमंडल के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों तथा उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके साथ ही अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों, राज्य सरकार के नियमित पदाधिकारियों, कर्मचारियों, पेंशनधारियों और उनके आश्रितों को भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का उद्देश्य सरकारी सेवाओं से जुड़े लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है।

कैबिनेट ने बिहार रैयती भूमि क्रय नीति-2026 को भी मंजूरी दी। नई नीति के तहत सरकार द्वारा खरीदी जाने वाली भूमि का मूल्य निर्धारण शहरी क्षेत्रों में बाजार मूल्य अथवा सर्किल दर, जो भी अधिक हो, उसके दोगुने के बराबर किया जाएगा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह मूल्य बाजार दर अथवा सर्किल दर, जो भी अधिक हो, उसके चार गुना के बराबर होगा। इसके अतिरिक्त भूमि स्वामियों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी।बिहार सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि इस नीति के तहत खरीदी जाने वाली भूमि को स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क से मुक्त रखा जाएगा। माना जा रहा है कि इससे विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बनेगी।बैठक में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली-2026 को भी मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के उपयोग के लिए 10 नए वाहनों की खरीद को स्वीकृति दी गई, जिसके लिए 3 करोड़ 70 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।कैबिनेट ने शेखपुरा जिले में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) कार्यालय निर्माण के लिए 27.48 एकड़ भूमि भारत सरकार के एसआईबी को 6 करोड़ 24 लाख 2400 रुपये के भुगतान पर हस्तांतरित करने की मंजूरी दी। वहीं गोपालगंज में आईबी कार्यालय और आवासीय परिसर निर्माण के लिए भूमि गृह मंत्रालय, भारत सरकार को 67 लाख 50 हजार रुपये के भुगतान पर हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया।इसके अतिरिक्त बेगूसराय में उपकारा निर्माण के लिए 21 एकड़ भूमि गृह विभाग, पटना को निशुल्क हस्तांतरित करने की स्वीकृति भी दी गई।

नालंदा जिले में 12 सदस्यीय संयुक्त समर्पित राजमार्ग निगरानी दल का गठन

नालंदा, (एजेंसी) : परिवहन विभाग, बिहार, पटना एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निदेशों के आलोक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा, अवैध अतिक्रमण हटाने, अवैध पार्किंग नियंत्रण, हाईवे पेट्रोलिंग, एटीएमएस संचालन, दुर्घटना संभावित स्थलों में सुधार को लेकर आज बुधवार को जिला प्रशासन कि देखरेख में विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय एवं परिवहन विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण, अवैध पार्किंग एवं अनधिकृत गतिविधियाँ सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में डीएम के द्वारा 12 सदस्यीय *ह्वसंयुक्त समर्पित राजमार्ग निगरानी दलह्व* के गठन की जानकारी देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी कार्यों का नियमित निरीक्षण एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।डीएम ने बताया किराष्ट्रीय राजमार्ग सुरक्षा क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी स्थल पर एन एच ए आई और पी डब्लू डी की पूर्व स्वीकृति के बिना कोई भी विभाग, प्राधिकरण अथवा स्थानीय निकाय किसी प्रकार का लाइसेंस, अनापत्ति प्रमाण-पत्र अथवा व्यापारिक अनुमति जारी या नवीकृत नहीं करेगा।

मानव तस्करी रोकने को रेलवे का विशेष अभियान, ट्रेनों और स्टेशनों पर कड़ी निगरानी

गया जी (एजेंसी) : गया जिले सहित मगध प्रमंडल और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में मानव तस्करी तथा बाल श्रम के मामलों पर रोक लगाने के लिए रेलवे प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू किया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रेलवे सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खासकर बच्चों को बहला-फुसलाकर या अवैध तरीके से दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिए भेजने वाले गिरोहों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी की गई है।

अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस की संयुक्त विशेष धावा दल का गठन किया गया है। यह टीम ट्रेनों, रेलवे स्टेशनों और प्लेटफॉर्मों पर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखेगी। रेलवे प्रशासन ने गया-डीडीयू, गया-पटना और गया-धनबाद रेल सेक्शन को संवेदनशील मानते हुए यहां विशेष निगरानी और सघन जांच अभियान चलाने का निर्णय लिया है रेल अधिकारियों के अनुसार अकेले यात्रा कर रहे बच्चों, संदिग्ध यात्रियों और मजदूरी के लिए ले जाए जा रहे नाबालिगों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। स्टेशन परिसर में लगातार छापेमारी और जांच अभियान चलाकर मानव तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने की रणनीति बनाई गई है। अधिकारियों का कहना है कि बाल तस्करी और बाल श्रम जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

आरपीएफ आईजी और रेल एसपी करेंगे मॉनिटरिंग, यात्रियों से भी सहयोग की अपील

रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चों को अवैध तरीके से दूसरे राज्यों में भेजने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूरे अभियान की मॉनिटरिंग आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार और रेल एसपी अनंत कुमार राय खुद करेंगे। विशेष धावा दल को निर्देश दिया गया है कि ट्रेनों में यात्रा कर रहे बच्चों से पूछताछ कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और संदिग्ध स्थिति मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

जरूरत पड़ने पर चाइल्ड हेल्पलाइन और सामाजिक संगठनों की भी सहायता ली जाएगी ताकि बच्चों को सुरक्षित संरक्षण मिल सके। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि मानव तस्करी और बाल श्रम जैसी गंभीर सामाजिक समस्याओं पर रोक लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।साथ ही यात्रियों से भी अपील की गई है कि यदि किसी बच्चे, संदिग्ध व्यक्ति या समूह की गतिविधि संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना तुरंत आरपीएफ या जीआरपी को दें। रेलवे प्रशासन का मानना है कि आम लोगों के सहयोग से ही मानव तस्करी जैसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

घरेलू तकरार के बीच वृद्धा की मौत, गांव में पसरा मातम

मां-बेटे के बीच विवाद में गिरने से सिर में लगी थी गंभीर चोट

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, रिपोर्ट के बाद होगा खुलासा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र की जगरनाथपुर पंचायत अंतर्गत विनोबानगर गांव में घरेलू विवाद के बाद एक वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 70 वर्षीय शांति देवी के रूप में की गई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. परिजनों के अनुसार मंगलवार की रात करीब आठ बजे किसी घरेलू बात को लेकर शांति देवी और उनके पुत्र के बीच कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान स्थिति शांत कराने की कोशिश में वृद्ध महिला अचानक गिर पड़ीं। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। परिजन आनन-फानन में उन्हें संभालने और उपचार की व्यवस्था करने में जुटे, लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई।

बुधवार सुबह सूचना मिलने पर फतेहपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल गया जी भेज दिया। घटना के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और तरह-तरह की चचाएं होती रहीं।थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि फिलहाल मामले में किसी प्रकार का लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया सिर में चोट लगने से मौत होने की बात सामने आ रही है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

केलटेक्स चौक के पास 24 लाख रुपये बरामद, आयकर विभाग कर रहा जांच

किशनगंज, (एजेंसी) : सदर थाना पुलिस ने बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए केलटेक्स चौक के पास वाहन जांच के दौरान एक व्यक्ति के पास से 24 लाख रुपये नकद बरामद किए।

मामले की जांच अब आयकर विभाग की टीम कर रही है। जानकारी के अनुसार, सदर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बंगाल की ओर से एक व्यक्ति भारी मात्रा में नकदी लेकर किशनगंज आ रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान धर्मपुर की ओर से आ रहे एक वाहन को चेक पोस्ट पार करने के बाद केलटेक्स चौक के समीप रोककर जांच की गई।

जांच के दौरान वाहन से 24 लाख रुपये नकद बरामद होने के बाद पुलिस वाहन और संबंधित व्यक्ति को सदर थाना ले आई। मामले की सूचना तत्काल आयकर विभाग को दी गई, जिसके बाद विभागीय टीम जांच में जुट गई है।

प्रथम दृष्टया बरामद राशि किसी व्यापारी की बताई जा रही है, हालांकि आयकर विभाग की जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सदर थानाध्यक्ष निसार अहमद ने बताया कि बरामद रुपये किस उद्देश्य से ले जाए जा रहे थे, इसकी जांच की जा रही है। आयकर विभाग को सूचना दे दी गई है और आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। इधर, सूचना मिलने पर एसडीपीओ वन खुसरू सिराज भी सदर थाना पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

संपादकीय

भय, भूख, लालच और सपनों की राजनीति

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों की राजनीति पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट दिखाई देता है, भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना धीरे-धीरे सत्ता केंद्रित राजनीति में बदलती चली गई। वर्तमान राजनीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण से अधिक सत्ता प्राप्ति और सत्ता को बनाए रखना है। स्वतंत्रता आंदोलन से निकला नेतृत्व त्याग, संघर्ष और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। संविधान निमार्ताओं ने भारत की विविधता को ध्यान में रखते हुए जो संविधान तैयार किया था, उसमें अंतिम शक्ति जनता के हाथ में रहे। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया गया। नागरिकों और मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई। इसे चौथा स्तंभ भी संविधान का माना गया। ताकि कोई भी संस्था निरंकुश न हो सके। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के पास जिस तरह से प्रकृति का संचालन है, संविधान निमार्ताओं ने यही व्यवस्था भारतीय संविधान में की। स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती 25 वर्षों में संसाधनों की भारी कमी, युद्ध, अकाल और आर्थिक संकट के बावजूद, तब की सरकारों ने बड़े-बड़े विकास कार्य किये। बड़े-बड़े सार्वजनिक उपक्रम तैयार किया। बड़े-बड़े शिक्षा के संस्थान और औद्योगिक प्रतिष्ठान उसी अवधि में तैयार किए गए। योजना आयोग के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच संघीय शासन व्यवस्था तथा संसाधनों का बंटवारा करने संवैधानिक संस्था बनाई गई। उस समय शासन व्यवस्था में नैतिकता दिखाई देती थी। सभी संवैधानिक संस्थाएं जनता के प्रति जवाबदेह थीं। 1947, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अकाल, खाद्यान्न संकट, तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के पास टैक्स के रूप में जब सीमित आर्थिक संसाधन थे। भारत ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्रता देते हुए उन्हें मजबूत किया। विकास की आधारशिला रखी। जब कोई व्यवस्था नहीं थी, उस दौर के नेतृत्व में वैचारिक मतभेद होने के बाद भी राष्ट्रहित सर्वोपरि था। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 का युद्ध और बांग्लादेश का निर्माण भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण वैश्विक स्तर पर आज भी माना जाता है। 1977 के बाद भारतीय राजनीति में बड़ा परिवर्तन आया। 1971 के युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर भारत में बहुत सारे प्रतिबंध लगाए गए। जो लंबे समय तक लागू रहे। भारत को ऊर्जा संकट का सामना कई वर्षों तक करना पड़ा। खाद्यान्न संकट का भी सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी ने इसका मुकाबला किया। प्रतिबंधों के कारण भारत में खाद्यान्न संकट महंगाई और मुनाफाखोरी बढ़, जनता की नाराजी बढ़ी।

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिमुर्खी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तमुर्खी बनाती है।
: प्रेमचंद

मुस्कुराहट, आपकी खूबसूरती में सुधार करने का एक सस्ता तरीका है।
: अज्ञात

दैनिक पंचांग

28 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

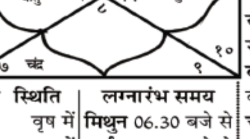

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.30 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	08.43 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.00 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.22 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.37 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.58 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.44 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	01.17 बजे से
		मेष	02.48 बजे से
		वृष	04.28 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 148 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 07.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 08.09 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 03.55 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 07.58 बजे तदनन्तर कौलव 20.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872723
जूलियन दिन 2461188.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7525

✱✱✱✱✱ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7524 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से ह्यअर्बन हीट आइलैंडह्व का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे ह्यअर्बन हीट आइलैंडह्व का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते ह्यडिस्कंफर्ट इंडेक्सह्व के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे ह्यहीट वेवह्व कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे ह्यअर्बन हीट आईलैंड इफैक्टह्व कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है।

योगेश कुमार गोयल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अखलाक और पहलू खान जैसे अनेक लोगों की हत्या की खबरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फर्जी हैं, जो रात में गैर-कानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोजियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिल -ए -गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए।

लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनजर यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। इसी तरह अप्रैल 2017 में केरल के मल्लापुरम लोकसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार एन. श्रीप्रकाश ने मतदाताओं से वादा किया था कि यदि वे चुनाव जीतते हैं तो क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता वाले बीफ की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे और साफ-सुथरे बूचड़खाने खुलवाएंगे। जबकि अभी पिछले दिनों बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानूनन केवल उसी गोवंश (गाय) का वध नहीं किया जा सकता जिसकी उम्र 14 वर्ष से कम हो। इस कुतर्क के अनुसार क्या 14 वर्ष से ऊपर की गाय गौ माता की श्रेणी से बाहर हो जाती है?

भारत सरकार में संसदीय कार्य व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का 2015 में दिया गया वह बयान पूरे देश को याद ही होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं अरुणाचल प्रदेश से हूँ और गोमांस खाता हूँ। क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है? उनका तर्क था कि भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है। पूर्वोत्तर के राज्यों में बहुत से लोग बीफ खाते हैं और किसी के खान-पान की आदतों या जीवनशैली को उन पर थोपा नहीं जा सकता। साथ ही उसी समय उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि भारत विविधताओं का देश है। जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, वहां उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। गोरक्षा पर राजनीति करने वाली सरकार किरेन रिजिजू जैसे गौ मांस भक्षक को मंत्री बनाकर किस आधार पर गोरक्षा की बात कर सकती है ? उधर यही भारतीय जनता पार्टी इलेक्टोरल बांड के जरिए भारत की सबसे बड़ी बीफ निर्यातक कंपनियों से लगभग प्रत्येक चुनावों में करोड़ों का चंदा वसूलती है। इसी सत्ता संरक्षण की वजह से 2014 के बाद यानी भाजपा के शासनकाल में भारत का कुल बीफ निर्यात काफी बढ़ चुका है। परन्तु स्वयंभू गोरक्षकों को गोहत्या को बढ़ावा देने व इसके पक्ष में तर्क देने वालों से कोई शिकायत नहीं है बल्कि आश्चर्य है कि इनकी सारी दुश्मनी व शिकायत केवल मुसलमानों से ही है ? समझा जा सकता है कि गोवंश की सुरक्षा किसी धर्म जाति से जुड़ा विषय नहीं बल्कि वास्तव में गोवंश शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार है।

निर्मल रानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कहो तो कह दूं- काकरोचों ने सोचा भी नहीं होगा कि वे रातों रात इतने फेमस हो जायेंगे.....

कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी आजकल चर्चा में है। अमेरिका में बनी इस भारतीय पार्टी के रातों रात लगभग दो लाख फॉलोअर्स हो गये। नौबत यहां तक पहुंची कि सीजेपी के ट्विटर हैंडल पर बैन लगाना पड़ा। वास्तव में सीजेपी एक व्यंग्यात्मक आंदोलन है जिसे 16 मई 2026 को आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशंस रणनीतिकार अभिजीत दीपके द्वारा सोशल मीडिया पर शुरू किया गया था। भारत में जन्मे और फिलहाल बोस्टन यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत दीपके को दाद देना पड़ेगी कि उन्होंने दुनिया के सबसे मजबूत कीड़े को एक राजनीतिक संकेत में बदल दिया। उन्होंने अमेरिका से इस अभियान की शुरूआत की जिसमें यूरोप के कुछ साथी भी जुड़ गये। दूर देशों की इस शुरूआत ने भारत के राजनीतिक खेमों में हलचल मचा दी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बुलबुला है जो जल्द ही फुस्स हो जायेगा लेकिन कुछ का विश्वास है कि सीजेपी अगले चुनावों में जनमानस पर असर डालने में कामयाब होगी। चूंकि भारत में बेरोजगारों की संख्या करोड़ों में है और यह वर्ग सक्रिय वोटर होने के साथ सोशल मीडिया से भी जुड़ा रहता है इसीलिये इसके चुनावी असर से इंकार नहीं किया जा सकता। सीजेपी की जादुई शोहरत का ये आलम है कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इसी तर्ज पर कॉकरोच अवामी लीग

सीएएल बना ली गई है जिसके हजारों फॉलोअर्स भी बन गये हैं। एक तरफ अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं दूसरी तरफ उनके फॉलोअर्स बढ़ते ही जा रहे हैं।

मालूम हो कि कॉकरोच की महिमा केवल महिलाओं को डराने और रसोईघर में धमा चौकड़ी करने तक सीमित नहीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि कॉकरोच दरअसल दुनिया के सबसे ताकतवर प्राणियों में से एक है और परमाणु युद्ध होने के बाद भी पृथ्वी पर सिर्फ इसी का बच पाना सम्भव है। छोटे अंधेरे कोनों और दरारों में छिपे रहने से इस पर विस्फोट का असर होना असंभव है। साथ ही परमाणु युद्ध से होने वाले रेडिएशन का इस पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि इसकी रेडीएशन सहने की क्षमता इन्सान से लगभग 15 गुना ज्यादा है। इसके अलावा कॉकरोच की जीवित रहने की क्षमता भी अद्वितीय है क्योंकि यह खीरा यानी ककड़ी के अलावा दुनिया का कोई भी पदार्थ खा कर मजे से जिन्दा रह सकता है।

इसी तरह भारत का बेरोजगार भी बेखौफ है। बीमारी, बेरोजगारी, पैसों की तंगी, परिवार के ताने और महबूबा की नाराजगी से भी इसे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये अपनी बेफिक्री और मटरगश्ती में मशगूल रहता है। बीच बीच में टाइम मिलने पर ये किसी सरकारी नौकरी का फॉर्म भी भरता है जिनमें से अधिकांश या तो पेपर लीक होने से निरस्त हो जाती हैं या फिर जुगाड़ वालों के हिस्से में चली जाती हैं। दशहरा, गणेशोत्सव, होली इसके प्रिय त्यौहार हैं जिनमें चंदा वसूली से लेकर साज सज्जा और डांस वगैरह की गतिविधियों में इसका काफी मनोरंजन होता है। लेकिन बेरोजगार का सबसे प्रिय त्यौहार है चुनाव। इस मौके पर डेढ़ दो महीने का खाना पीना और धन लाभ बड़ी राहत भरा होता है। यही वो समय है जिसमें बेरोजगार खुद को उपयोगी और ताकतवर समझने लगता है। अक्सर नेता इन्हें नौकरी का लालच देकर बेगार भी करवाते हैं और चुनाव खत्म होते ही बाकी वायदों की तरह इस वायदे को भी भूल जाते हैं। देश आगे बढ़ता जा रहा है, विकास का गुणगान हो रहा है, लेकिन बेरोजगार है कि बस बेरोजगार ही है। अब जब इसे कॉकरोच का खिताब दे दिया गया है तब सरकार को सावधान हो जाना चाहिये। जिसे परमाणु युद्ध भी नहीं मार सकता वो भला सरकार से क्या डरेगा। नेता खुशकिस्मत हैं कि बेरोजगार अभी संगठित नहीं हैं। अगर सीजेपी के बैनर तले सब इकट्ठे हो गए तो क्या होगा कोई नहीं जानता

गधा सबसे समझदार

अभी तक तो अपने को ये मालूम था कि यदि किसी व्यक्ति को गधा कह दिया जाए इसका मतलब है कि वो बहुत ही बेवकूफ होता है लेकिन अब पता लगा है कि गधा तो घोड़े से भी ज्यादा समझदार होता है न केवल घोड़े बल्कि सभी जानवरों की तुलना में गधा सबसे ज्यादा समझदार होता है और ये पता कैसे लगा है जनरल ऑफ वेटरनरी बिहेवियर का एक अध्ययन जो स्पेनिश वैज्ञानिकों ने 300 गधों पर किया था उसके आधार पर ये निष्कर्ष निकला कि आइक्यू में गधों का स्कोर मानव पैटर्न से बिल्कुल मिलता जुलता है यानी अब किसी को यदि गधा कहा जाएगा तो इसका मतलब है कि वह बुद्धिमान और समझदार व्यक्ति है । सारी परिभाषाएं इस अध्ययन ने बदल कर रख दीं । गधे भी भारी खुश है कि अभी तक हमको बतौर गाली संबोधित किया जाता था लेकिन अब पता लगा कि हम लोग कितने बुद्धिमान और समझदार हैं हम लोग सीधे-साधे हैं ज्यादा बोलते नहीं कभी-कभी रेंकने लगते हैं तो इसका ये मतलब थोड़ी है कि हम सबसे ज्यादा मूर्ख और बेवकूफ हैं। सारे गधे मिलकर स्पेनिश वैज्ञानिकों का सम्मान करना चाह रहे हैं जिन्होंने बता दिया कि गधा एक बुद्धिमान और समझदार प्राणी होता है अपने को तो लगता है अब कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा पालने की बजाय घर में एक गधा पाल लिया जाए कम से कम कहने को तो रहेगा कि घर में एक समझदार व्यक्ति है भले ही वह जानवर क्यों ना हो।

चैतन्य भट्ट

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

गंगा दशहरा पर अस्सी घाट में भव्य माँ गंगा प्राकट्य उत्सव सम्पन्न

पीएम नरेंद्र मोदी को गंगा भगीरथ विश्वगुरु काशी सम्मान देने की घोषणा

वाराणसी(एजेंसी) : गंगा दशहरा के अवसर पर अस्सी घाट पर ब्रह्मराष्ट्र एकम्-विश्व महासंघ न्यास, काशी एवं श्रीकुल पीठ के तत्वावधान में माँ गंगा प्राकट्य उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान हजारों साड़ियों से माँ गंगा को चुनरी अर्पित की गई और घाट हर-हर गंगे व हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम में श्री श्री 1008 सचिंद्रनाथ महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गंगा भगीरथ विश्वगुरु काशी सम्मान देने की घोषणा की। आयोजन में कल्कि पीठाधीश्वर पूज्य कल्कि राम जी महाराज सहित कई संत एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

सायंकाल 56 भोग, भव्य गंगा आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

अश्वनी-शिवदयाल की जोड़ी ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

वाराणसी, (एजेंसी) : वाराणसी जिला कैरम एसोसिएशन के तत्वावधान में इंग्लिशियालाइन स्थित श्रीमती चन्द्रा त्रिपाठी स्मृति क्रीड़ा कक्ष में चल रही पांचवीं स्वर्गीय रामाज्ञा सिंह स्मृति जिला कैरम लीग प्रतियोगिता के चौथे दिन पुरुष युगल वर्ग में अश्वनी चक्रवाल और शिवदयाल यादव की जोड़ी ने नूरैन खान-वैभव नारायण सिंह को 25-5, 25-7 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

दूसरे मुकाबले में अश्वनी मौर्य और प्रियांशु यादव की जोड़ी ने शाहिद जमाल-सूरज प्रसाद को संघर्षपूर्ण मैच में 22-5, 13-22, 19-10 से पराजित कर पहली जीत हासिल की।

महिला युगल वर्ग में रितम्भरा और सौम्या यादव की जोड़ी ने जागृति सोनी-काव्या सेठ को 25-5, 24-6 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरूआत की।

प्रतियोगिता का संचालन प्रधान निर्णायक रमेश कुमार वर्मा एवं आयोजन सचिव अश्विनी चक्रवाला की देखरेख में किया गया।

वाराणसी स्मृति दिवस पर चतुर्वेद पारायण व लक्षदीप प्रज्वलन का भव्य आयोजन

वाराणसी(एजेंसी) :वाराणसी स्मृति दिवस के अवसर पर मोक्ष सदन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आदि दुर्गा मंदिर, दुगार्कुंड परिसर में चतुर्वेद पारायण, लक्षदीप प्रज्वलन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्षा उषा रानी ने की।इस दौरान विश्वकल्याण एवं राष्ट्र मंगल की कामना के साथ वैदिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर काशी की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संकल्प लिया। तेलुगु प्रांत से आए श्रद्धालुओं की विशेष उपस्थिति ने उत्तर एवं दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।वैदिक अनुष्ठानों में वैदिक अनिकेत मिश्र, अरुण कुमार तिवारी, शिवम पाण्डेय एवं कार्तिक पाण्डेय का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में महंत राजनाथ दुबे, महंत विकास दुबे, एडवोकेट ओंकार नाथ बापूली एवं डॉ. सुरेश स्वामी विशेष रूप से उपस्थित रहे।अंत में प्रसाद वितरण किया गया। संस्था की अध्यक्षा उषा रानी ने सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं, सहयोगकताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

सिद्धारमैया ने कल मंत्रिमंडल सहयोगियों को नाश्ते पर बुलाया, नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर तेज

बेंगलुरु, (एजेंसी) : कर्नाटक में सत्ता नेतृत्व परिवर्तन की फिर अटकलें तेज हो गई हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों, करीबी विधायकों तथा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को नाश्ते पर आमंत्रित किया है। इस बैठक के बाद कभी भी नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हो सकती है।बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि पर विधानसौधा परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मीडिया के सवालों पर सीधा जवाब देने से परहेज किया। दिल्ली दौरे और मुख्यमंत्री परिवर्तन को लेकर पूछे गए प्रश्नों पर उन्होंने केवल इतना कहा कि ह्लकल बात करूंगा, जो भी कहना है कल ही कहूंगाह्व और वहां से रवाना हो गए। इसी बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों, करीबी विधायकों और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को नाश्ते पर आमंत्रित किया है। माना जा रहा है कि इसके बाद राज्य में नए नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हो सकती है।आज मुख्यमंत्री के सरकारी आवास ह्यकावेरीह्ण में पूरे दिन राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले कई मंत्री और विधायक उनसे मिलने पहुंचे तथा मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी राय रखी। इससे भी सत्ता परिवर्तन की अटकलों को बल मिलता है।

नई दिल्ली में 28-29 मई को राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन, खरीफ सीजन के लिए राज्यों के साथ बनेगा ठोस रोडमैप

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 28 और 29 मई को नई दिल्ली स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स, पूसा में नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एग्रीकल्चर फॉर खरीफ कैंपेन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन खरीफ सीजन की तैयारी, राज्यों के साथ समन्वय और किसान-केंद्रित नीति क्रियान्वयन को नई मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच बनेगा। सम्मेलन में दलहन, तिलहन, बागवानी, बीज, प्राकृतिक खेती, जलवायु-सहिष्णु कृषि, कृषि ऋण, फसल बीमा, डिजिटल एग्रीकल्चर और राज्यों के अनुभवों पर विस्तृत विचार-विमर्श होगा। अनेक राज्यों के कृषि मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि केंद्र सरकार खरीफ 2026 को केवल मौसमी अभियान के रूप में नहीं बल्कि उत्पादन वृद्धि, फसल विविधीकरण, जलवायु-सहिष्णु कृषि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और किसान समृद्धि से जुड़े व्यापक राष्ट्रीय एजेंडे के रूप में देख रही है।

सम्मेलन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक खेती पर विशेष संबोधन भी प्रस्तावित है। इसके बाद विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के सुझाव लिए जाएंगे, जिससे यह आयोजन एकतरफा प्रस्तुति तक सीमित न रहकर वास्तविक अनुभवों, क्षेत्रीय चुनौतियों और राज्यों की अपेक्षाओं पर आधारित साझा राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले सके।सम्मेलन में बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, गुजरात, कर्नाटक, त्रिपुरा, तेलंगाना, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, सिक्किम, नागालैंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और असम सहित कई राज्यों के मंत्री उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के अनुसार, 28 मई को सुबह शुभारंभ सत्र में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह प्रारंभिक उद्बोधन देंगे। इसके साथ ही पहले दिन की रूपरेखा इस प्रकार रखी गई है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अनुभव, चुनौतियां और प्राथमिकताएं व्यवस्थित ढंग से सामने आ सकें। प्रारंभिक सत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव द्वारा सम्मेलन की पृष्ठभूमि, जोनल बैठकों से मिले प्रमुख निष्कर्ष और समूह चर्चा से अपेक्षित परिणामों का संदर्भ प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समूहों में विभाजित कर तीन विषयगत हॉलों में समानांतर चर्चा कराई जाएगी। विभिन्न समूह प्रमुख विषयों पर विचार रखेंगे, जिससे सम्मेलन में व्यापक भागीदारी, अनुभव-साझेदारी और बहुआयामी विमर्श सुनिश्चित हो सके।

दूसरे दिन 29 मई का कार्यक्रम नीति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित विचार-विमर्श को आगे बढ़ाएगा। सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पहले दिन की चचाओं का सार, जोनल बैठकों से मिली सीख और सम्मेलन के अपेक्षित परिणामों का प्रस्तुतीकरण करेंगे, जबकि सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, आईसीएआर कृषि क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों और कृषि रोडमैप पर प्रस्तुति देंगे। सम्मेलन में दलहन मिशन डिवीजन द्वारा राज्यवार स्थिति, बीज उपलब्धता, क्लस्टर आधारित रणनीति, उत्पादकता और खरीद रोडमैप पर चर्चा होगी। तिलहन, ऑयल पाम डिवीजन राज्यवार लक्ष्यों, बीज और मिनीकिट आवश्यकता, उत्पादकता सुधार तथा प्रसंस्करण कड़ियों पर प्रस्तुति देगा। बागवानी आयुक्त द्वारा बागवानी विस्तार, फसलवार लक्ष्य, संरक्षित खेती और मूल्य श्रृंखला विकास पर प्रस्तुति दी जाएगी।

बंगाल में विपक्ष के नेता का दर्जा नहीं मिलने पर विधानसभा में स्पीकर कक्ष के बाहर धरने पर बैठे तृणमूल विधायक

कोलकाता, (एजेंसी) : तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि विधानसभा सचिवालय ने अब तक शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष के नेता का आधिकारिक दर्जा नहीं दिया है।

इस मुद्दे पर शिकायत दर्ज कराने पहुंचे कुणाल घोष और शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने स्पीकर से मुलाकात नहीं होने पर उनके कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए। तृणमूल नेताओं का कहना है कि 18वीं विधानसभा के गठन और पहले सत्र के संपन्न होने के बावजूद विपक्ष के नेता को न तो औपचारिक मान्यता मिली है और न ही उनके लिए निर्धारित कक्ष आवंटित किया गया है।

बुधवार शाम बालीगंज विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय और बेलियाघाटा विधायक कुणाल घोष विधानसभा भवन में स्पीकर रथीनाथ बसु से मुलाकात करने पहुंचे थे। हालांकि, उनका दावा है कि स्पीकर ने मिलने का समय नहीं दिया। इसके बाद दोनों नेता स्पीकर कक्ष के बाहर बैठ गए और विधानसभा सचिवालय के रवैये पर नाराजगी जताई।

कुणाल घोष ने विधानसभा के एक अधिकारी से नाराजगी जताते हुए कहा कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय विपक्ष के नेता हैं। 36 वर्षों से विधायक हैं। फिर भी उन्हें कमरा नहीं दिया जा रहा। उनके पत्र की प्राप्ति रसीद तक नहीं दी जा रही है। सचिवालय की ओर से सहयोग नहीं मिल रहा। संसदीय दल की बैठक तक नहीं हो पा रही है।

तृणमूल नेताओं ने सवाल उठाया कि जब स्पीकर और मुख्यमंत्री के कक्ष तैयार हो चुके हैं, तब विपक्ष के नेता के लिए कमरा अब तक क्यों तैयार नहीं किया गया। कुणाल घोष ने इसे संसदीय शिष्टाचार का मामला बताते हुए स्पीकर से मुलाकात नहीं होने पर भी नाराजगी जताई।

तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि 13 मई को पार्टी की ओर से स्पीकर को पत्र भेजकर 80 विधायकों के समर्थन के साथ शोभनदेव चट्टोपाध्याय को संसदीय दल का नेता घोषित किए जाने की जानकारी दी गई थी।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चुनाव आयोग पर कई सवाल खड़े हुए: कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस के राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर की संवैधानिक वैधता को स्वीकार किया है, लेकिन फैसले में कई ऐसे बिंदु हैं जो चुनाव आयोग की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

सिंघवी ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता तय करने का अंतिम अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। नागरिकता अधिनियम के तहत यह अधिकार सक्षम प्राधिकारी- जैसे गृह मंत्रालय के पास है। इसके बावजूद करोड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए और उनका मताधिकार प्रभावित हुआ।

उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले के पैरा 97 से 101 तक पढ़ने से स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया में गंभीर खामियां थीं। बिहार में 65 लाख मतदाताओं के निष्कासन और बाद में उनके नाम दोबारा प्रकाशित किए जाने पर सिंघवी ने कहा कि यह सुधार राजनीतिक दलों और गैर सरकारी संगठनों की अदालत में दायर याचिकाओं के कारण संभव हो पाया।

सिंघवी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने जल्दबाजी में खामियों के साथ एसआईआर कार्यक्रम लागू किया। यदि राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों और सिविल सोसायटी ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो प्रक्रिया में मौजूद खामियां बनी रहतीं।

उन्होंने कहा कि एसआईआर की सबसे बड़ी समस्या अत्यंत कम समय सीमा है। बिहार में इसके लिए चार महीने और पश्चिम बंगाल में पांच महीने का समय दिया गया। यदि इसे आगामी चुनावों से अलग समय पर लागू किया जाता तो इतनी समस्याएं नहीं होतीं। सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग पहले लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाता है और बाद में निर्णय की प्रक्रिया चलती है। इस बीच चुनाव संपन्न हो जाते हैं।

सिम स्वैप कर 12 लाख की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो शातिर गिरफ्तार

फर्जी आधार कार्ड, मोबाइल फोन व नकदी बरामद, साइबर क्राइम थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई।

वाराणसी, (एजेंसी) : पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बैंक खातों से सिम स्वैपिंग के जरिए लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना समेत दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन, फर्जी कूटरचित आधार कार्ड तथा नकदी बरामद की है।

थाना साइबर क्राइम में 24 मई 2026 को पीड़ित शिवलाल हरिजन निवासी ग्राम खनवर, बलिया एवं वर्तमान पता पुलिस लाइन वाराणसी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उनके बैंक खाते से अवैध रूप से 12 लाख रुपये निकाल लिए गए हैं। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम में मुकदमा संख्या 0018/2026 धारा 318(4) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले की विवेचना निरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद द्वारा की जा रही थी।

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त अपराध नीतू कादयान एवं अपर पुलिस उपायुक्त अपराध नृपेन्द्र के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध विदुष सक्सेना के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार को वाराणसी से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्तों में सुरेन्द्र कुमार निवासी लोहारपुर थाना भावरकोल जनपद गाजीपुर तथा विनय कुमार निवासी सेमरी गोठवा थाना नगरा जनपद बलिया शामिल हैं।पुलिस के अनुसार साइबर अपराधी पहले लोगों के बैंक खातों से जुड़े मोबाइल नंबरों की सिम चोरी, धोखाधड़ी अथवा सिम अपडेट कराने के नाम पर स्वैप करा लेते थे। इसके बाद उन्हीं नंबरों से विभिन्न यूपीआई एप्लीकेशन सक्रिय कर खाते से धनराशि ट्रांसफर कर लेते थे। आरोपी फर्जी आधार कार्ड और गलत पहचान पत्रों के जरिए विभिन्न सीएसपी सेंटरों से नकदी निकालकर आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी धोखाधड़ी एवं साइबर अपराध से जुड़े कई मुकदमे दर्ज हैं।

कार्रवाई करने वाली टीम में निरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद, निरीक्षक विजय नारायण मिश्र, उपनिरीक्षक संजीव कनौजिया, आलोक रंजन सिंह, विवेक सिंह, शैलेन्द्र कुमार सहित साइबर क्राइम थाना की पूरी टीम शामिल रही।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को मजबूती देने के लिए सौंपी अपनी रिपोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रीय महिला आयोग ने बुधवार को मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मुस्लिम महिलाओं के अधिकार विषय पर अपनी सिफारिश रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट गृह मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को भेजी गई है।

आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मुस्लिम महिलाओं के कानूनी, सामाजिक और संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

National Commission for Women, India
राष्ट्रीय महिला आयोग

राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख सिफारिशों में मुस्लिम पर्सनल लॉ का व्यापक संहिताकरण, विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, बाल विवाह पर रोक, महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा, संपत्ति और विरासत में अधिकार मजबूत करना शामिल है।

आयोग ने पारो सिस्टम जैसी शोषणकारी प्रथाओं पर तत्काल रोक लगाने, पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास, पहचान और रोजगार सहायता की भी सिफारिश की है।

इसके साथ आयोग ने कानूनी सहायता प्रणाली, हेल्पलाइन और जागरूकता अभियान को और मजबूत बनाने पर जोर दिया है, ताकि मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके।

आयोग ने संबंधित मंत्रालयों से इन सिफारिशों को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की है, जिससे देशभर में मुस्लिम महिलाओं को न्याय, सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

आयोग ने बताया कि इस रिपोर्ट तैयार करने के संबंध में 1 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में राउंड टेबल कंसल्टेशन आयोजित किया गया था, जिसमें केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, कानूनी विशेषज्ञ, शिक्षाविद, महिला अधिकार संगठनों के प्रतिनिधि, धार्मिक विद्वान और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक में मुस्लिम महिलाओं से जुड़े विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता, बच्चों की कस्टडी और संपत्ति में अधिकार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। आयोग ने कहा कि संवैधानिक सुरक्षा और हालिया कानूनी सुधारों के बावजूद अभी भी कानूनी जागरूकता बढ़ाने और न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत है।

पेंपा सेरिंग ने दूसरी बार ली निर्वासित तिब्बत सरकार के सिक्योंग की शपथ

धर्मशाला, (एजेंसी) : सर्वोच्च तिब्बती धर्मगुरू दलाई लामा की उपस्थिति में तिब्बत की निर्वासित सरकार के नवनिर्वाचित सिक्योंग यानी राष्ट्रपति पेंपा सेरिंग ने बुधवार को दूसरी बार पद और गोपनीयता की शपथ ली।पेंपा सेरिंग दूसरी बार लगातार इस पद के लिए निर्वाचित हुए हैं। शपथ समारोह मैक्लोडगंज स्थित मुख्य बौद्ध मठ चुगलाखांग यानी दलाईलामा टेंपल में आयोजित किया गया। इस मौके पर 14वें तिब्बती धर्मगुरू दलाईलामा भी खास तौर पर मौजूद रहे। शपथ समारोह से पहले पेंपा सेरिंग धर्मगुरु दलाई लामा का आशीर्वाद लिया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) की ओर से आयोजित समारोह को तिब्बती लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य अतिथि, अधिकारी, विभिन्न विदेशी प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम तिब्बती शामिल रहे।सिक्योंग पद की शपथ लेने के बाद अपने सम्बोधन में पेंपा सेरिंग ने कहा कि तिब्बती राष्ट्रीय पहचान को कमजोर करने के लिए चीनी सरकार के सुनियोजित प्रयासों के बावजूद, चीन तिब्बती लोगों के अपनी मातृभूमि से अटूट बंधन को कमजोर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभ्यता के उदय से ही, तिब्बती लोग गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव के बल पर 'बर्फ की भूमि' (तिब्बत) के सच्चे संरक्षक रहे हैं। इसलिए हम तिब्बत में रहने वाले तिब्बतियों से आग्रह करते हैं कि वे अपने बच्चों में तिब्बती भाषा, धर्म और संस्कृति पर आधारित मजबूत पहचान की भावना विकसित करके पारिवारिक स्तर से शुरूआत करें।

मप्र सरकार का बाल विवाह रोकथाम को लेकर बड़ा फैसला, ग्राम स्तर तक नियुक्त होंगे 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी'

भोपाल, (एजेंसी) : मध्य प्रदेश सरकार ने बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बड़ा निर्णय लिया है। सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के रूप में अधिसूचित किया है।

यह निर्णय बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 16 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत लिया गया है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे बाल विवाह की रोकथाम, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने बुधवार को बताया कि इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब बाल विवाह रोकने के लिए एक बेहद मजबूत और त्रि-स्तरीय से भी बड़ा प्रशासनिक तंत्र काम करेगा। जिला स्तर पर इसकी कमान जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संभालेंगे, जबकि अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह तहसील स्तर पर तहसीलदार और सभी नायब तहसीलदारों को कानूनन सशक्त बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर मोर्चा संभालते हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सेक्टर स्तर पर निगरानी रखने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों और महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव जमीनी स्तर पर करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पटवारी को और शहरी क्षेत्रों में नगर पालिक निगमों के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस कानून को लागू करने का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा छोटे शहरों की नगर पालिका परिषदों और नगर परिषदों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, उप राजस्व निरीक्षक और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया। ग्राम स्तर तक प्रशासनिक जवाबदेही तय होने से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को बेहतर संरक्षण मिलेगा।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, अब अगर कहीं से भी बाल विवाह की सूचना मिलती है, तो वहां के पटवारी या सेक्टर पर्यवेक्षक कानूनी तौर पर सीधे दखल दे सकेगा और उसे रोकने के लिए अधिकृत होगा। अधिकारियों की इतनी बड़ी चेन होने से अब शादियों के सीजन में 'चाइल्ड मैरिज' पर पूरी तरह से नकेल कसी जा सकेगी। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गजब का है यह पेपर आर्ट पेपर क्विलिंग

मॉस्को की 34 साल की यूलिया ब्रोद्सकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंभित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। यूलिया को पेपर से बनाई जाने वाली ड्रॉइंग के साथ उनमें जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी ड्रॉइंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूलिया तीन स्टेप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टेप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

यूलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।

रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में फ्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक फ्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढ़क भूरे, कत्थई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।

फ्लाउंडर

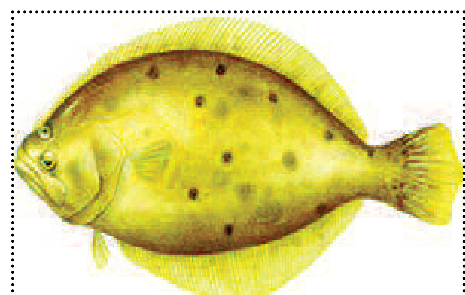

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है।
इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।

टोन स्पाइडर

गोल्डनरॉड क्रेब स्पाइडर सिर्फ दो रंग बदल सकता है- एक सफेद और दूसरा पीला, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह अपना शिकारी सिर्फ इस रंग के फूलों को बनाता है। इसमें खासतौर पर डेजी और सूरजमुखी शामिल हैं। इस खूबी के बल पर यह फूलों का शिकार भी कर लेता है और शिकारी चिड़ियों से भी बचा रहता है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आतीं और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती हैं। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।

अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

ऐसे बनेगा

अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेप चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आएगा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।

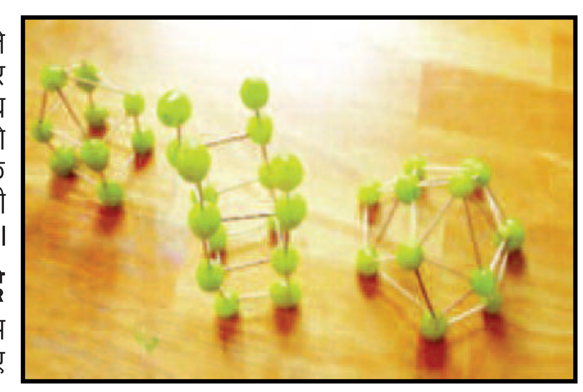

जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छूट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था,''कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छूट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।''
अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी तितलियों की तरह सारे बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए।
बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, ''आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।''
''सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?'' एक बच्चे की आवाज आई।
बेदी सर मुस्करा दिए। फिर बोले, ''मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।'' जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर्स आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां

के फूल लगाने लगे।
स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, ''कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसा होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूं कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।''
इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, ''कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।''
एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक- दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-

थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।

इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था।
सर ने बच्चों को देखकर पूछा, ''बोलो बच्चो, आज का दिन कैसा लगा?''
''बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।'' राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला।
''और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?''अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा।
''सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।''कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा।
''तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।'' मुस्कराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, ''मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।''
''हुर्रे।'' राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है।
सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।